



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 22, 1981 (श्रावण 31, 1903)
No 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 22, 1981 (SRAVANA 31, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. ए. 32015/1/80-प्रशा.2—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-81 के अन्तर्गत में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अ. एवं. सां.) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री आर. डी. क्षत्रिय को 6-7-81 से तीन मास की अग्रसर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, श्रीमती राज कुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) जो अवकाश पर हैं, उनके स्थान पर आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी. एस. राणा
अनुभाग अधिकारी,
कुल सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री एम० के० ग्रोडा	19-8-1981 से आगामी आदेशों तक
2.	श्री आई० जे० शर्मा	21-6-81 से 18-8-81 तक

2 डेस्क अधिकारियों के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. शा. सं. 12/1/74-सी. एस. (1) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार रु. 75/- प्र. मा. की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 30 जून 1981

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 जून 1981

सं. ए. 11016/1/76-प्रशा.-3—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में क. स. से के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए

सं. ए. 31014/2/81-प्रशा.-1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न निम्नलिखित अधिकारियों को जिन्हें उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित किया गया है, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट तारीख से संघ

लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	स्थायीकरण की तारीख	अभ्युक्ति
सर्वश्री			
1.	एस० डी० शर्मा	1-4-80	सं० लो० से० आ० में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य-रत।
2.	पी० डी० श्रीवास्तव	1-2-80	—वही—
3.	के० कोचुगोविन्दन	1-2-81	
4.	के० एल० कल्याण	19-2-81	सं० लो० से० आ० में लेखा अधिकारी के पद पर कार्य-रत

सं. 32014/1/81-प्रशा.-3—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति की अवधि
1	2	3
सर्वश्री		
1.	आर० पी० शर्मा	1-12-80 से 30-4-81 तक
2.	एस० डी० एस० मिन्हास	1-12-80 से 28-2-81 तक
3.	जे० एल० सुंद	1-12-80 से 30-4-81 तक
4.	जी० पी० भट्टा	—वही—
5.	ओ० पी० कथूरिया	—वही—
6.	राजिन्दर सिंह	—वही—
7.	ओ० पी० कोटिया	—वही—
8.	एस० एन० पंडित	—वही—
9.	एम० एम० असनानी	—वही—
10.	कृष्ण लाल-1	—वही—
11.	रेमल दास	—वही—
12.	के० एम० आर्ष० यूसुफ	1-1-81 से 30-4-81 तक
13.	विश्वेश्वर प्रसाद	—वही—
14.	जी० के० पिल्ले	—वही—
15.	एच० एस० बेदी	—वही—
16.	एम० के० चौधरी	—वही—
17.	के० एस० पालाचन्द्रन	1-1-81 से 31-8-81 तक
18.	रविन्दर मोंगा	—वही—
19.	कुमारी सरोज	—वही—
20.	श्रद्धा नन्द	—वही—

1	1	3
21.	एल० एन० गन्जु	2-12-80 से 31-1-81 तक
22.	कृष्ण लाल-II	23-11-80 से 30-4-81 तक
23.	एन० पी० एस० गुजराल	9-9-80 से 28-2-81 तक
24.	पी० एस० भटनागर	15-9-80 से 31-8-81 तक
25.	डी० एस० पट्टा	1-10-80 से 28-2-81 तक
26.	छज्जू राम (अ० जा०)	10-10-80 से 30-4-81 तक
27.	एन० पी० एस० रावत	21-10-80 से 31-8-81 तक
28.	विजय भल्ला	3-11-80 से 31-8-81 तक
29.	ओ० सी० नाग	17-12-80 से 31-8-81 तक
30.	एस० पी० नायर	24-12-80 से 31-8-81 तक
31.	पी० पी० तिवारी	17-2-81 से 31-3-81 तक
32.	मेहर सिंह	1-5-81 से 31-7-81 तक
33.	सी० एल० शर्मा	17-2-81 से 23-7-81 तक
34.	सुदर्शन कुमार	17-2-81 से 18-7-81 तक
35.	वी० पी० कपल	19-5-81 से 15-7-81 तक
36.	एम० एम० चोपड़ा	19-5-81 से 3-7-81 तक
37.	आर० के० गौड़	26-5-81 से 12-7-81 तक
38.	के० जी० नायर	26-5-81 से 2-7-81 तक

दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. ए. 19014/1/81-प्रशा.-1—श्री के. जे. चाको, भा. सा. सं. प्रभागीय तार इंजीनियर, एम/डब्ल्यू सर्वेक्षण प्रभाग, नई दिल्ली-14 को राष्ट्रपति द्वारा 13 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

(य. रा. गांधी)
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं. ओ. दो. 926/72-स्थापना-1—श्री सतिन्द्र सिंह, उप-पुलिस अधिक्षक, महानिदेशालय, के. रि. प. बल के पंजाब सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप उनकी सेवाएं 29-5-81 (अपराह्न) से पंजाब सरकार को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1981

पुन्धीर, पांचवीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्याग-
पत्र दिनांक 22 जून, 1981 अपराह्न से स्वीकार कर लिया।सं. एफ. 8/3/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा
अधिकारी (जनरल ड्यूटी ऑफिसर ग्रेड-2) डा. यश कुमार सिंह

दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० एफ०-दो/15/81-स्था०—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों की पदोन्नति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में
अग्रिम आवेदन तक कमान्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. इन कमान्डेंटों ने उनके सामने दर्शाई गई तिथि व बटालियन में कार्यभार संभाल लिया है:—

क्र० सं० आफिसर का नाम	कहाँ से	कहाँ	कार्यभार संभालने की तिथि
1. श्री आर० सी० पुरी	महानिदेशालय	27वीं वाहिनी	23-3-81
2. श्री एम० एल० शर्मा	2री वाहिनी	40वीं वाहिनी	22-3-81
3. श्री के० केशावन	13वीं वाहिनी	13वीं वाहिनी	1-4-81
4. श्री टी० एस० यादव	4वीं वाहिनी	8वीं वाहिनी	24-3-81
5. श्री जगबोर	37वीं वाहिनी	21वीं वाहिनी	21-3-81
6. श्री मोहर सिंह	58वीं वाहिनी	62वीं वाहिनी	21-3-81 (अपराह्न)
7. श्री आर० एस० व्होरा	ग्रुप केन्द्र गोहाटी	ग्रुप केन्द्र गोहाटी	21-3-81
8. श्री एस० ए० खान	"	65वीं वाहिनी	21-3-81
9. श्री एच० एस० सन्धू	41वीं वाहिनी	1वीं वाहिनी	20-4-81 (अपराह्न)
10. श्री अमीलाल यादव	27वीं वाहिनी	9वीं वाहिनी	21-3-81
11. श्री न० रामचन्द्रन	22वीं वाहिनी	22वीं वाहिनी	21-3-81
12. श्री स्वर्ण सिंह	महानिदेशालय	64वीं वाहिनी	23-3-81
13. श्री पी० जे० शर्मा	"	68वीं वाहिनी	23-3-81
14. श्री बी० आर० शर्मा	19वीं वाहिनी	3री वाहिनी	12-4-81
15. श्री एम० पी० चिटनिस	8वीं वाहिनी	52वीं वाहिनी	5-4-81
16. श्री जी० एस० सिद्धू	36वीं वाहिनी	36वीं वाहिनी	28-3-81
17. श्री आर० एस० जसपाल	30वीं वाहिनी	34वीं वाहिनी	30-3-81
18. श्री आर० बी० पाठक	ग्रुप केन्द्र, भुवनेश्वर	18वीं वाहिनी	21-3-81 (अपराह्न)
19. श्री एस० आर० यादव	18वीं वाहिनी	46वीं वाहिनी	25-3-81 (अपराह्न)
20. श्री आर० के० सिंह	14वीं वाहिनी	10वीं वाहिनी	10-4-81 (अपराह्न)
21. श्री के० डी० एस० दुल्लत	एस०/III	29वीं वाहिनी	14-4-81
22. श्री जे० बी० एस० बैन	53वीं वाहिनी	25वीं वाहिनी	20-4-81 (अपराह्न)
23. श्री ए० एम० तिवारी	महानिदेशालय	49वीं वाहिनी	23-5-81
24. श्री घूम सिंह	2री वाहिनी	60वीं वाहिनी	11-5-81
25. श्री एस० ए० मिश्रा	ग्रुप केन्द्र, मोकामाघाट	30वीं वाहिनी	3-6-81

दिनांक 27 जुलाई 81

सं. ओ. डी-33/76-स्था. (के. रि. प. बल) — श्री एन. एस. बासुदेवन, भारतीय पुलिस सेवा अधिकाड़ी ने कर्नाटका में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 11-7-81 अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उपमहानिदेशक मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं. ओ. डी-1464/80-स्था. — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. के. गनेशेश्वरन को 9-7-1981 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ ज़िक्रिस्ता अधिकाड़ी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं. ओ. डी-1590/81-स्था. — राष्ट्रपतिजी, डाक्टर बी. बी. एल. महान को अस्थाई रूप से आगामी आवेष्ट जाड़ी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-2 (बी) एस. पी./कम्पनी कमान्डर के पद पर दिनांक 18 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ओ. डी-1089/73-स्था. -1—राष्ट्रपतिजी श्री एस. मन्जु उब्बिन, के. रि. प. बल के उप-पुलिस अधिक्षक के स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने को गृह मंत्रालय (डी. पी. एन्ड ए. डी.) के कार्यालय आपन संस्था-25013/7/77-स्थापना (ए) दिनांक 26-8-77 में तब गई केन्द्रीय सड़काई कर्मचारियों की स्वेच्छिक रूप से सेवा निवृत्ति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री मन्जर उब्दीन ने उप-पुलिस अधिक्षक, ग्रुप सेंटर (गोपीनगर), के. रि. प. बल के पद का कार्यभार 6-3-81 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

ए. के. सूरि
सहायक निदेशक (स्था.)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय आयोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं. ई-16014(1)/6/74-कार्मिक—राज्य काङ्ग को प्रत्यावर्तित होने पर श्री ए. टी. थिरुवेंगडम, आई. पी. एस. एम. टी. (69) ने 22 जून, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक महानिरीक्षक (द. क्षेत्र) के. आ. सु. ब. मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-32015(1)/3/78-कार्मिक—पुनर्नियुक्ति की अवधि के समाप्त होने तथा उसी तारीख को उनकी 58 वर्ष की आयु भी होने पर, श्री वी. कृष्णप्पा ने 6 जून, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ. सु. ब. यूनिट वी. पी. डी. विशाखापट्टनम के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संस्था ई-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री बी. एन. भारद्वाज ने 20 जून, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ. सु. ब. यूनिट, बी. सी. सी. एलम भरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ई-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री आर. सी. सामन्ते ने 6 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के. आ. सु. ब. यूनिट डी. एस. पी. दूगापुर के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सुदेन्द्र नाथ
महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. 11/10/78-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 22-6-81 के समसंख्यांक कार्यालय आदेश के अनुसार मणिपुर सरकार में प्रत्यावर्तित होने के कारण मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री पेशांत सिंह ने तारीख 1 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से इम्फाल, मणिपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. 10/15/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में उप-निदेशक के पद पर कार्यरत श्री ए. राम राव को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 13 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक महापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) के पद पर सहर्ष नियुक्त कर देते हैं।

2. श्री राम राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं. 11/30/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, मेघालय, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषण के पद पर कार्यरत श्री के. एस. लैंगो को उसी कार्यालय में तारीख 3 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री लैंगो का मुख्यालय शिलांग में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री लैंगो को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तद्विषय पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द की जा सकती है।

तारीख 1 अगस्त 1981

संस्था 10/4/80-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के निम्नलिखित कंसोल आप-रेटोरों की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को विद्यमान शर्तों पर तारीख 21 दिसम्बर, 1981 तक या जब तक पद नियमित

आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं—

क्र० सं०	नाम	मुख्यालय	पिछला सं० और तारीख	संदर्भ
1.	श्री प्रार० एल० पुरी	नई दिल्ली	म० पं० की अधि-सूचना सं० 6/1/74—प्रार० जी (प्रशा०—1) तारीख 20-9-1980	
2.	श्री ए० पी० गुप्त	नई दिल्ली	म० पं० की अधि-सूचना सं० 10/4/80—प्रशा०—1, तारीख 15-5-1980	
3.	श्री सत्य प्रकाश	--उपरोक्त--	--उपरोक्त--	

पी० पुष्पनाभा
भाउल की महापंजीकाइ

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. प्रशा.-1/8(27)/11/26—भारत के नियंत्रक एवम् महालेखा परीक्षक वित्त मंत्रालय की सहमति से श्री नन्द किशोर

वर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी के भारत हवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में स्थायी समावेशन हेतु दिनांक 1-12-1978 से स्वीकृत प्रदान करते हैं। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार वे भारत सरकार की सेवा से बी. एच. ई. एल. में समावेशन की तिथि से सेवा निवृत्त समझे जाएंगे।

एम. एस. सरना
निदेशक लेखा परीक्षा

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान,

जयपुर, दिनांक 25 जुलाई 1981

सं. प्रशा.-11/304—महालेखाकार राजस्थान ने श्री रामजी लाल खंडेलवाल, प्रवर अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 18/7/81 (प.) से अग्रतर अवस्था के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मदन सिंह
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

विल्ली-110054, दिनांक 30 जुलाई 81

सं. का.आ.प्रशा. 111/176-23(ए)(2) अधिसूचनाएं—निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पदों पर पदोन्नत एवं नियुक्त करने तथा उनके सामने लिखे डाक-तार शाखा लेखापरीक्षा कार्यालयों में अगले आदेशों तक नियुक्ति के लिए सहर्ष आज्ञा दे दी है। उनकी पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर हैं तथा संशोधन अधीन हैं।

क्रम सं०	नाम	डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जिससे अनुभाग अधिकारी के रूप में सम्बद्ध हैं	डाक-तार शाखा परीक्षा कार्यालय जहां नियुक्ति किया गया है	लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने की तिथि
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	गजानन प्रभाकर मोरोने	नागपुर	बम्बई	-30-3-81 (पूर्वाह्न)
2.	प्रीति कुमार चटर्जी	भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता	कटक	30-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	बख्श सिंह सिकंद	कपूरथला	लखनऊ	8-5-81 (पूर्वाह्न)
4.	पेरूमल राजा रामास्वामी गोविन्दाराजालु	हैदराबाद	अहमदाबाद	13-5-81 (पूर्वाह्न)
5.	शिव चन्द्र राय	भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता	पटना	21-5-81 (पूर्वाह्न)
5.	रमेश चन्द्र राय	भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता	लखनऊ	28-5-81 (पूर्वाह्न)
7.	प्रशांत कुमार दास गुप्ता	भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता	लखनऊ	28-5-81 (पूर्वाह्न)

तापस कुमार सान्याल
उप निदेशक (मुख्यालय)

लेखा परीक्षा निदेशक, दक्षिण रेलवे

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए/पी/सी/एस आर/477—श्री एस. रघुनाथन ।। को, जो लेखा परीक्षा निदेशक/दक्षिण रेलवे के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखी सेवा संवर्ग के स्थायी सदस्य हैं, 22-4-1981 से अगले आदेश मिलने तक, लेखा परीक्षा निदेशक द्वारा बतनमान रु. 840-1200 में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गयी पदोन्नति बिलकुल तदर्थ आधार पर है और सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम आदेश पर निर्भर होगा।

कू. प. रंगस्वामी
लेखा परीक्षा निदेशक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आइन्स फ़ैक्टरियां सेवा

आइन्स फ़ैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. 28/जी/81—राष्ट्रपति महोदय ने श्री एस. एस. आर. जैदी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी सहायक प्रबन्धक) का त्याग-पत्र तारीख 30-6-81 (अपराह्न) से मंजूर किया।

वी. के. मंहाता
सहायक महानिदेशक, आइन्स फ़ैक्टरियां
संख्या 2210 (ए) जी

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 21 जुलाई 81

सं. ई. एस. टी. 1.37(9)/2328—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री के. बी. नटराजन, तदर्थ एप निदेशक (नान-टेक्निकल), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई को दि. 9-6-1981 से अन्य आदेशों तक, नियमित उप निदेशक (नान-टेक्निकल) के रूप में, उसी कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं. ई. एस. टी. 1.37(9)/2335—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री सी. आर. नीलकण्ठन, तदर्थ उपनिदेशक (नान-टेक्निकल) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई को, दि. 9-6-1981 से अन्य आदेशों तक, नियमित उप निदेशक (नान-टेक्निकल) के रूप में उसी कार्यालय में, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेंद्र टक्कर
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं. ई. एस. टी. 1.37(3)/2278-83—वस्त्र आयुक्त श्री को. एच. भाटिया, तदर्थ सहायक निदेशक, श्रेणी 2 [नान-टेक्निकल] (नियमित अधीक्षक) वस्त्र आयुक्त का

कार्यालय, को दिनांक 6-6-1981 से, अन्य आदेशों तक, नियमित सहायक निदेशक श्रेणी 2 (नान-टेक्निकल) के रूप में उसी कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

टी. रामचन्द्र राव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. 12(632)/69-प्रशा. (राज)—संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन सिआर लियोन में परामर्शदाता के रूप में विदेशों में अल्पकालिक नियुक्ति हेतु प्रतिनियुक्ति होने पर श्री ओ. सी. रिचर्ड्स ने दिनांक 4 मई, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक (ग्रेड-2) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन विदेश में नियुक्ति से वापसी पर श्री ओ. सी. रिचर्ड्स ने दिनांक 22 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी. सी. राय
उप निदेशक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, 28 जुलाई 1981

सं. पी. एफ./31/81-स्थापना—श्री के. जी. राव, जो इस समय निरीक्षक (वन.) के पद पर तदर्थ आधार पर काम कर रहे हैं, को 20 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगे और आदेश होने तक 650 - 30 - 740 - 35 - 810 - व.रो. - 35 - 880 - 40 - 1000 - व.रो. - 40 - 1200 रुपये के बतनमान में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में अस्थायी आधार पर निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पी. एस. धीमा
मुख्य निदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं. प्र6/247(361)—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री एस. पी. गुप्ता दिनांक 4 मई, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से अनिवार्य रूप से निवृत्त कर दिये गये हैं।

यह पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय की दिनांक 17-7-1981 की अधिसूचना सं. प्र6/247(361) के अधि-
क्रमण में है।

पी. डी. सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

से आगामी आदेशों तक सहायक औषध नियन्त्रक (भारत) का
कार्यालय न्यू कस्टम हाउस बम्बई में तकनीकी अधिकारी के पद
पर पूर्णतया अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एस. एस. गोठेस्कर
औषध नियन्त्रक
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. 4303वी/ए-19012 (1-के. एस. आर.)/80-
19ए—श्री कमल सिंह राघव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के
प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो.-
35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के
वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक
2 जून, 1981 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया जा रहा है।

बी. एस. कृष्णस्वामी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक जुलाई 1981

सं. ए 19011(270)/80-स्थापना ए—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री हरी सिंह शेरॉन, को
दिनांक 16-9-80 के पूर्वाह्न में भारतीय खान ब्यूरो में स्थाना-
पन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति
प्रदान करते हैं।

एस. वी. अन्नी
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं. 15/182/62-एस-तीन (पाट-11)—निवर्तन की
आय प्राप्त होने पर श्री ग़ुलाम मोहिउद्दीन, सहायक इंजीनियर,
दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर 31 मई, 1981 को अपराह्न में सेवा
निवृत्त हो गये हैं।

ह. ना. बिश्वास
प्रशासन उपनिदेशक (ई)
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

(औषध अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. ए. 12025/8/80-औषधि-1—स्वास्थ्य सेवा महा-
निदेशक ने डा. आर. रामाकृष्ण को 6 मई, 1981 (पूर्वाह्न)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं. ए. 32014/5/81-(ए.आई.आई.पी.एम.आर.)/
प्रशा.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्रीमती एम.ए.
चौकर, को 18 अप्रैल, 1980 से अखिल भारतीय भौतिक
चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई में व्यवसायिक निदेशन
विभाग के प्रमुख के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए. 12025/2/80-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने अखिल
भारतीय स्वास्थ्य निज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में
सोनिटरी इंजीनियरिंग (डिजाइन) के सहायक प्रोफेसर श्री
अरुणव मजूमदार का न्यायपत्र 11 जून, 1981 (अपराह्न) से
स्वीकार कर लिया है।

सं. ए. 12026/33/80-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-
निदेशक ने श्री पी. एन. श्रीवास्तव को 30 मई, 1981 के
पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली,
में वरिष्ठ फिजियोथेरापिस्ट के पद पर अस्थायी आधार पर
नियुक्त किया है।

दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 12025-26/80-एन. एम.ई.पी.प्रशा.1—
राष्ट्रपति ने डा. एफ. यू. खान को 19 जून, 1981 (पूर्वाह्न)
से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक
निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त
किया है।

टी. सी. जैन,
उप निदेशक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए. 19018/3/81-सी.जी.एच.एस.-1—स्वास्थ्य
सेवा महानिदेशक ने डा. वी. प्रभाकरन चेतियार को, जो तदर्थ
आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, केन्द्रीय सरकार
स्वास्थ्य योजना में अस्थायी तौर पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के
पद पर 31-1-1981 पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

टी. एस. राव,
उप निदेशक प्रशासन (सी.जी.एच.एस.)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए. 19025/121/78-प्र. त. —श्री दूर्गा प्रसाव,
सहायक विपणन अधिकारी (निलम्बाधीन) को दिनांक
4 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गी-
करण नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के अनुसार सेवा
से हटाया गया है।

दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. ए. 39013/1/79-प्र. त. — इस निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री सी. बी. सिंह द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र दिनांक 6-10-80 (अपराह्न) से स्वीकृत किया गया है।

दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 19023/8/81-प्र. त. — राज्य निगम में प्रतिनियुक्ति से लौटने पर श्री ए. राघव राव, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन तिरुपुर में दिनांक 6-जुलाई 1981 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

बी. एल. मनोहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बंबई-400085, 24 जुलाई 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर 111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, पी. जे. वी. नाइक, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी पद (रुपये 650-960) पर इस अनुसंधान केन्द्र में 8-6-1981 से 18-7-1981 (अपराह्न) तक, नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मोनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय तथा भंडार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-6, 17 जुलाई 1981

सं. एम.आर.पी.यू./200(9)/81-प्रशा.—इस कार्यालय की तारीख 4-5-1981 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, स्थाई क्रय सहायक श्री एन. राजगोपालन की सहायक क्रय अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि को 30 मई, 1981 के अपराह्न तक बढ़ा दिया गया है।

सं. एम.आर.पी.यू./200(15)/81-प्रशासन—क्रय तथा भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडार श्री वी. श्रीपत राव को उसी निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से रु. 650-30-740-35-810-ईबी-35-880-40-1000-ईबी-40-1200 के वेतनमान में 18 मई, 1981 से 20 जून, 1981 के अपराह्न तक के लिए तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. एम.आर.पी.यू./200(27)/81-प्रशा.—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने अस्थायी क्रय सहायक श्री सी.एन गोपालन को 14 मई, 1981 से 15 जून, 1981 के अपराह्न

तक के लिए उसी निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में रु. 650-30-740-35-810-द.रो.-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

सं. एम.आर.पी.यू./200(108)/81-प्रशासन—क्रय तथा भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री एस. कुमार-स्वामी को 23 दिसम्बर, 1980 से 21 जनवरी, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी निदेशालय में तूतीकोरिन स्थित भारी पानी संयंत्र भंडार में सहायक भंडार के पद पर स्थानापन्न रूप से 650-30-740-35-810 ईबी 35-880-40-1000 ईबी 40-1200 र. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. एम. आर. पी. यू./200(144)/81-प्रशासन—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री एन. एस. पिल्ले को 11 मई, 1981 से 12 जून, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में रुपये 650-30-740-35-810 द. रो. -35-880-40-1000- द. रो. -40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

एस. रंगाचारी
वरिष्ठ क्रय अधिकारी

बम्बई-400001, 21 जुलाई 1981

सं. क्र. भनि/23/5/80-स्थापना/15163—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने सहायक भंडार अधिकारी, श्री पी. वी. प्राभाकरन् की छुट्टी मंजूर हो जाने पर स्थायी भंडारी श्री बी. एस. शर्मा को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200 के वेतन क्रय में तारीख 5 मई 1981 (प.) से 9 जून 1981 (ब.) तक इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

आदेश

हैदराबाद-500762, 19/24 जून, 1981

सं. ना.ई.स/का प्र 5/2606/1180/134—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के जिरकोलॉय ईंधन संयंत्र के वैज्ञानिक सहायक 'स' श्री एन. के. सूद, मौखिक अनुदेशों की तथा तत्पश्चात् दिनांक 4-5-1980 को निर्गमित तार की अवहेलना करते हुए काम पर से अप्राधिकृत दिनांक 5-5-1980 से 25-5-1980 पर्यन्त अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री सूद दिनांक 29-5-1980 के बाद से काम पर से अप्राधिकृत अनुपस्थित रहे;

और जब कि अपने उपर्युक्त कृत्य द्वारा उक्त श्री सूद ने केन्द्रीय नागरिक सेवा (शास्त्र) नियम 1964 के नियम 3(1) (2) तथा 3(1)(3) के विरुद्ध कदाचरण का कार्य किया;

और जब कि उक्त श्री सूद को ज्ञापन सं. ना.ई.स/का प्र 5/2606/1180/1573, दिनांक 1-8-1980 द्वारा आरोप

तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

और जब कि उक्त श्री सूद को दिनांक 1-8-1980 का आरोप पत्र प्राप्त हुआ, तथा उन्होंने दिनांक 14-8-1980 को अपने बचाव का एक लिखित बयान प्रस्तुत किया, जिसमें कि उन्होंने लगाए गए आरोप को विशेष रूप से न तो सकारा और न नकारा ही;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने विचार किया कि उक्त श्री सूद के विरुद्ध लगाए गए आरोप की जांच पड़ताल के लिए जांच की जाय;

और जब कि आदेश सं. ना ई स/का प्र 5/2606/1180/3299, दिनांक 20-11-1980 के अनुसार दिनांक 20-11-1980 को जांच अधिकारी को नियुक्त किया गया;

और जब कि जांच अधिकारी ने दिनांक 21-5-1981 को प्रस्तुत की गई जांच रपट में कहा कि चूंकि उक्त श्री सूद ने आरोप को स्वीकार कर लिया है अतः जांच समाप्त हो गई;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने इस मामले के सम्बद्ध कागज पत्रों के आधार पर तथा दिनांक 21-5-1981 की जांच रपट (प्रति संलग्न है) का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री एन. के. सूद पर सेवा से निष्कासन का वृद्ध अधिरोपित किया जाय;

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 12 के उपनियम के अनुच्छेद (ब) को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं. 22(1)/68-प्र. 11, दिनांक 7-7-1979 के साथ संयोजित करते हुए उनमें प्रवृत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त श्री एन. के. सूद को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

संलग्न : 1

- (1) श्री एन. के. सूद
ए 7/16,
प. ऊ. वि हाउसिंग कालोनी,
हृदराबाद-500 762।
- (2) श्री एन. के. सूद
पुत्र-कस्तूरी लाल सूद
6, रामनगर,
सांणी पत

एन. क्रॉडल राव
मुख्य कार्यपालक

हृदराबाद-500762, दिनांक 29 जून 1981

आदेश

सं. : ना ई स/का प्र 5/2606/2120/1267—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मृतिका ईंधन गठन संयंत्र के कारीगर 'ब' श्री च. लक्ष्मण स्वामी बिना अनुज्ञा के दिनांक 6-2-1980 के बाद से काम से अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी ने अपने उपर्युक्त कृत्य द्वारा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 39(5) के अन्तर्गत कदाचरण किया;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को शापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2120/1308, दिनांक 5-7-1980 के द्वारा उनके विरुद्ध आरोप एवं प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

2-206GI/81

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को दिनांक 5-7-80 का आरोप पत्र दिनांक 12-7-80 को प्राप्त हो गया था, किन्तु अपना लिखित बचाव का वक्तव्य नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को दिनांक 15-9-80 को एक पत्र प्रेषित कर उन्हें अपना अभिवेदन दिनांक 30-9-80 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को दिनांक 15-9-80 का पत्र दिनांक 24-9-80 को प्राप्त हुआ, किन्तु उन्होंने अपना लिखित बचाव का वक्तव्य उन्हें अवसर देने के बाद भी नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने विचार किया कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी के विरुद्ध लगाए गए आरोप की जांच करने के लिए एक जांच अधिकारी की नियुक्ति की जाय;

और जब कि आदेश सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2120/88, दिनांक 5-1-1981 के द्वारा दिनांक 5-1-81 को एक जांच अधिकारी की नियुक्ति की गयी;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को प्रेषित जांच अधिकारी की नियुक्ति का दिनांक 5-1-81 का आदेश डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए इस अभ्युक्तियों के साथ लाटा दिया, "प्रेषित चला गया है—सात दिन समाप्त हो गए—प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि जांच अधिकारी ने दिनांक 16-1-81 की मुनवाई में इंगित किया कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को उन के द्वारा प्रेषित संदेश बिना वितरित किए हुए ही लाटा दिए गए हैं तथा जांच की एक पक्षीय कार्यवाही की गई;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्रों तथा दिनांक 16-1-81 की जांच रपट का सावधानी पूर्वक धितन करने के पश्चात् इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी पर सेवा से निष्कासन का वृद्ध अधिरोपित किया जाय;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को शापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2120/1059, दिनांक 22-5-81 द्वारा उपर्युक्त अनंतिम निष्कर्ष की सूचना दी गई, तथा दिनांक 22-5-81 के शापन की प्राप्ति से 10 दिवस के भीतर प्रस्तावित वृद्ध के विरुद्ध अभिवेदन प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया;

और जब कि दिनांक 22-5-81 का शापन जो पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके निवासीय पते अर्थात् निवास सं. 1-9-295/13/ए/2, विद्यानगर, हृदराबाद-500044, पर प्रेषित किया गया था, उसे डाक प्राधिकारियों ने इस अभ्युक्त के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति चला गया है";

और जब कि दिनांक 22-5-81 का शापन जो उनके स्थायी पते अर्थात् च. लक्ष्मण स्वामी, पुत्र-कटैया, पत्रालय-वर्नी, जिला निजामाबाद, आ. प्र. को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया था, उसे भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किये इन अभ्युक्तियों के साथ वापस कर दिया, "सात दिन हो गए हैं, प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्रों तथा बाद से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना अपना पता-ठिकाना सूचित किए अप्राधिकृत काम से अनुपस्थित रह रहे हैं, तथा स्वच्छातया अपनी सेवा परित्याग कर रहे हैं;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इन मामले के कागज पत्रों तथा दिनांक 16-1-81 की जांच रपट (प्रतिलिपि संलग्न है) के आधार

पर आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि श्री च. लक्ष्मण स्वामी पर सेवा से निष्कासन का दंड घोषित किया गया;

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अन्च्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग की आदेश सं. 22(1)/68-प्र-2, दिनांक 7-7-1979 के साथ संयोजित कर उन में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उक्त श्री लक्ष्मण को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

अनुलग्नक एक

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अन्च्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग की आदेश सं. 22(1)/68-प्र. 11, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित कर उन में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

1. श्री च. लक्ष्मण स्वामी
निवास सं. 1-9-295/13/ए/2,
विद्यानगर,
हैदराबाद-500 044।
2. श्री च. लक्ष्मण स्वामी
पुत्र-श्री कोटय्या,
पत्रालय : बनी,
जिला : निजामाबाद,
आन्ध्र प्रदेश।

एन. कॉडल राव
मुख्य कार्यपालक

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 3 अगस्त 81

सं. प ख प्र-1/1/81-भती परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अशोक कुमार पाधो को परमाणु खनिज प्रभाग में 9 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-1/6/80-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री आर. ए. गौरीखान को 16 मई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-2/3004/80-प्रशा.—श्री ए. के. पानी द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के अस्थायी पद से विया गया त्याग पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 30 जून, 1981 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

एम. एस. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमान मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. स्था. (1) 05907—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहायक मौसम विज्ञानी श्री एम.

कल्याण का 18 जुलाई, 1981 को स्वर्गवास हो गया।
के मुखर्जी

मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं. ए.35018/16/80-ई. 1—राष्ट्रपति ने तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री एस. के. बास, निवेशक संचार की सेवाएं दिनांक 21 मई, 1981 (अपराह्न) से प्रतिनियुक्त के आधार पर निवेशक सेवा शर्तों के अधीन एवियेशन इन्फ्रानिक्स अनवेशक के रूप में दोहा कटार में नियुक्त के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को सौंप दी है।

स्थावर गृह
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं. ए.39012/3/81-ई.सी.—राष्ट्रपति ने निवेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री के. वेणू, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 30-5-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र मंजूर कर लिया है।

दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए-32013/5/80-ई.सी.—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के निम्नलिखित दो सहायक संचार निवेशकों को प्रत्येक के नाम के सामने वी गढ़ तारीख से छः मास की अवधि के लिए उपनिवेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उन के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री डी०सी० मेहता	रेडियो निर्माण और विकास एकक नई दिल्ली।	2-7-81 (अपराह्न)
2.	श्री पी० सेठ	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली (मुख्यालय)	22-6-81 (पूर्वाह्न)

सं. ए-32013/11/79-ई.सी.—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निवेशक, सफवरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री डी. के. शर्मा, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 15-6-81 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं. ए-38013/1/81-ईसी--नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवर्तन प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है—

क्र० सं०	नाम और पद	नाम	तैनाती स्टेशन
	सर्वश्री		
1.	सी० जी० मीनाकी,	वैमानिक संचार	स्टेशन, बंबई
	सहायक संचार अधिकारी		
2.	साइमन डी० सिल्वा,	वैमानिक संचार	स्टेशन,
	सहायक संचार अधिकारी	हैदराबाद	

दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. ए-39012/2/81-ईसी—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री एस्. के. गौड़, संचार अधिकारी का दिनांक 4-7-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. ए-38013/1/81-ईसी—निवेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय के श्री एन्. ए. जोरफ, सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेम चन्द
सहायक निवेशक प्रशासन

विशेष संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं. 12/1/81-स्था.—विशेष संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा निम्नलिखित स्थानापन्न उप परियात प्रबंधकों को

खाना 3 में प्रत्येक के सामने दी गयी तारीख से मूल रूप में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं—

क्रमांक	नाम	मूल रूप में उप परियात प्रबंधक की हैसियत से नियुक्ति की तारीख
1.	श्री डी० एस० पेण्डसे	2-1-1978
2.	श्री डी० बी० पठारे	3-1-1978
3.	श्री एन० के० दास	1-8-1978
4.	श्री बालकृष्ण सूरी	1-1-1979
5.	श्री जे० एम० डी० सिल्वा	1-8-1980

एच. एल. मलहोत्रा
उप निवेशक (प्रशा.)
कृते महानिदेशक।

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 3 अगस्त 1981

सं. 16/367/81-स्था. 1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री शिव धारी सोनकर को वन मृदा तथा वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केन्द्र, जबलपुर में 10 जुलाई 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया है।

ऑफ़िसर नाथ कौल
कल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

सीमाशुल्क स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 20 जून 1981

सं. 5/81—श्री ए. जयचन्द्रन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 19-6-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रसर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक पस्वाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. 10/81—श्री टी. राजेंद्रन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 6-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रसर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक पस्वाधीन काल में रहेंगे।

ए. सी. सलदाना
सीमाशुल्क समाहर्ता

बम्बई-1, दिनांक 29 जुलाई 1981

सं० एस० टी०-2/80-81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 232-ए के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के प्रयोग में तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा बोधी पाये

गये व्यक्तियों और अधिनियम की धारा 33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा 10,000/- रु० या इससे अधिक की राशि के लिये दंडित व्यक्तियों के नाम और पते उप नियम 2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं :-

I—कोर्ट के मामले

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5
—शून्य—				

II—विभागीय न्याय निर्णयन

क्र० सं०	उस व्यक्ति का नाम जिस पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत अधिकारी द्वारा 10,000/- रु० का या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि	धारा 33 के अन्तर्गत न्याय-निर्णित शुल्केय माल का मूल्य जो के स्थान पर जब्त किया जाना है।	अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत जब्ती के स्थान पर अर्थ दण्ड [की राशि]
1	2	3	4	5	6	7
1.	सर्वश्री आशीष गम्स (इंडिया)	20-21/बी, गिरिकुंज इण्डस्ट्रियल एस्टेट, महाकाली केब्स रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 093	के०उ०शु० नियमावली के नियम 174, नियम 173 एफ के साथ पठित के०उ०शु० अधिनियम की धारा 6 के प्रावधान, नियम 9(1), के साथ पठित नियम 173 (जी), नियम 52 ए के साथ पठित नियम 173(जी) नियम 53 तथा 226 के साथ पठित नियम 173 जी (4)	के०उ०शु० के नियमावली 1944 के नियम 173 क्यू तथा नियम 9(2) रु० 19,000/-	रु० 17200/- और रु० 9100/- 26300/- (मद सं० 68 के अधीन आने वाले माल) शुल्क का भुगतान करने पर माल के निकासी की अनुमति	शुल्क का भुगतान करने पर निकासी के लिये परित

कु० श्री विलीपसिंहजी
समाहर्ता

नागपुर, 29 जुलाई 1981

प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून 1981 के अपराह्न से सेवा निवृत्त होते गये हैं।

सं. 9/81—इस समाहर्ता क्षेत्र के वर्धा रोज के अधीक्षक, श्रेणी, "ख" श्री वी. एच. घोडसांके सेवा निवृत्ति की आम

के. संकरारामन
क्लेक्टर्

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं. ए.-19012/1(3)/81-स्थापना एक-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एम. एल. मल्ला, स्थायी वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (सांख्यिकी), केन्द्रीय जल आयोग को अतिरिक्त-सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के ग्रेड में रु. 650-30-740-35-810-द. रों.-35-880-40-1000-द. रों.-40-1200 के बतनमान में 23-6-1980 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिए अथवा इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर स्थापनापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

के. एल. भण्डूला
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला,

पूणे-24, दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. 602/19/81-प्रशा.—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "ख") (राजपत्रित) में की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे एतद्वारा श्री एन. जी. दासपुरकायस्थ को सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे में बतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द. रों.-35-880-40-1000-द. रों.-40-1200 नियमित रूप से स्थापनापन्न पदों पर दिनांक 29 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

श्री एल. जी. दासपुरकायस्थ, सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन) के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे में दिनांक 29-7-1981 (पूर्वाह्न) से दो साल की परिबीक्षावधी रहेगी।

दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. 602/8/81-प्रशा.—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "ख") (राजपत्रित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खडकवासला, पूणे, एतद्वारा निम्नांकित अधिकारियों की सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित) के पद पर बतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द. रों.-35-880-40-1000-द. रों.-40-1200 पर नियमित रूप से स्थापनापन्न पद पर दिनांक 31-7-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

1. श्री बी. सी. संखर राव (इस समय स. अ. अ. (गणित) के पद पर तदर्थ रूप में काम कर रहे हैं)

2. श्री के. जी. के. मूर्ति

उपयुक्त अधिकारियों के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित) के कोड पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनु-

संधान शाला, पूणे में दो साल की दिनांक 31-7-1981 से परिबीक्षावधी होगी।

एम. आर. गिडवानी
प्रशासन अधिकारी,
कृते निदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक जुलाई 1981

सं. 22/1/81-प्रशा.-1(बी)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को, जिनके ग्रेड उनके नामों के सामने लिखे हैं, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, उनके नामों के सामने लिखी तारीखों से, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा में, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में, स्थापनापन्न क्षमता में अगले आवेदन होने तक, नियुक्त करते हैं।

नाम	जिस ग्रेड के हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री		
1. सुभाष सेठी	तकनीकी सहायक	26-6-81 (पूर्वाह्न)
2. एम०एस० कौशिक	—वही—	26-6-81 (पूर्वाह्न)
3. एस०ए० खान	—वही—	13-7-81 (पूर्वाह्न)
4. एस०के० अग्रवाल	पर्यवेक्षक	22-6-81 (पूर्वाह्न)

बी. एम. लाल
अवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बांगलूर सिनीमोऑजिराफिक इंडस्ट्रीस प्रा. लिमिटेड के विषय में।

बांगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. 2522/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बांगलूर सिनीमोऑजिराफिक इंडस्ट्रीस प्रा. लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रंज, पुना

पुना, दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं. सीए5/एस. आर. हवेली/नोहोबर 80/81-
82/522—यह मुझे शशिकान्त कुलकर्णी का

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या नं. 1, हिस्सा नं. 3 ए 1 है,
तथा जो हडपसर, पुणे में स्थित है (और इससे उपाब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों
के कार्यालय द्रुम्य निबंधक हवेली में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है--

(1) 1. श्री बी. बी. हरफले

2. श्री बी. एफ. हरफले

रा. फुरसुंगी, ता. हवेली, जि. पुणे
[[अन्तरक]]

(2) उत्कर्ष सहकारी गृहस्वत्ता संस्था लि., सं.
नं. 1, हिस्सा नं. 3 ए 1, हडपसर, पुणे 28-
[[अन्तरिती]]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति जो स. नं. 1, हिस्सा नं. 3 ए 1, हडपसर जि.
पुणे में स्थित है। जिसका क्षेत्र 14375 कि. मीटर है।
(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 4488 जो 29-11-1980
को द्रुम्य निबंधक, हवेली के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रंज, पुना

तारीख : 13-7-1981

गोहड

प्रथम भाई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे विजय माथूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. फेक्ट्री है, तथा जो कन्वॉय में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकृत अधिकारी को कार्यालय कन्वॉय में राजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सेठ सरूप चन्द हूकूमचंद और ओंकार जी कस्तूर चन्द इत्यादि।

(अन्तरिक्त)

(2) श्री गोपाल जी और सहेंद्र कुमार पुत्र कपूर चन्द जी विद्यावानी इत्यादि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दिन बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्देश फेक्ट्री कन्वॉय जिमा हुवास में स्थित

विजय माथूर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज भोपाल

तारीख : 23-7-1981

सो. 11

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० वर्जन — अतः सूचे विषय

माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 22/3 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसने बढ़ने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री हाजी गुलाम नबी पुत्र अब्दुल गफ्फार बक्सी
2. मो. यूसुफ पुत्र गुलाम बक्सी
3. गुलाम हसन
4. अब्दुल कयूम
5. नजीर अहमद
6. मो. शफी पुत्र गुलाम नबी निवासी सोनवाड श्रीनगर।

(अन्तरक)

- (2) बन्धवाल चर्म्बस द्वारा तुलसी राम भगवानदास बन्धवाल 415 महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 22/3 साउथ तुको गंज गली नं० 1 इन्दौर में स्थित।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त
वर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 23-7-1981
मोह० व

प्रकृष आर्बि० टी० एन० ए०००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्बि० ए० सी. (अर्जन) — अर्ज मुझे विजय
माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है के स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 3 है, तथा जो पंडरी तराई रायपुर
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की
अधीन 18-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-206GI-81

(1) श्री हनुमानदास व्यास सुपुत्र स्व. रजिन्द्रदास व्यास
सदर बाबाड, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुरेश चन्द सुपुत्र मोती लाल धाडीवाल
2. श्री महेन्द्र कुमार सुपुत्र मोतीलाल धाडीवाल
3. श्री विजय कुमार सुपुत्र मोतीलाल धाडीवाल
4. श्री प्रभाष कुमार सुपुत्र मोतीलाल धाडीवाल
हलवाई लेन, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3, सर्वे नं. 541/3, 541/9, 541/11
रकबा 7750 वर्ग मी. पीट नं. 10 जो रायपुर-बडोदा बाबाड
रोड पर स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 23-7-1981
मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. टी. एन. सी. [अर्जन]—अर्जन मुक्त विपणन
माथूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है, तथा जो वाड नं. 18 रायगढ़ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायगढ़ में राजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रदीप कुमार भगवानजी अमरस्सी चाटवानी वाड
नं. 18, रायगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानजी अमरस्सी चाटवानी पुत्र स्व. तुलसी-
दास, चाटवानी, वाड नं. 18, रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो नज़ूल प्लॉट नं. 9 एवं 8/1, सीट नं.
44, वाड नं. 18, रायगढ़ में स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 24-7-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. 9 आई. टी. एन. सी. (अर्जुन)---अर्जुन मुझे विजय
साधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 905 और 906/3 है, तथा जो जवाहरगंज जबलपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जयमंगल ओझा पुत्र स्व. बंशीलाल ओझा, एडवोकेट 88, नानावटी बंगला, गांधीग्राम जूनागढ़ गुजरात - हाली जबलपुर।

[[अन्तरक]]

(2) श्री दिगम्बर कुमार पुत्र हरीशचन्द्र जैन नि. सराफा बाड जबलपुर।

[[अन्तरिती]]

(3) बैंक आफ बरोडा जवाहरगंज जबलपुर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संक्रा. नं. 905 और 906/3, ब्लॉक नं. 77, प्लॉट नं. 18, ब्लॉक नं. 50 प्लॉट नं. 172/2, जी जवाहर गंज बाड जबलपुर में स्थित है।

विजय साधुर

सश्रम प्राधिकारी

(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन क्षेत्र भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिभोगी—

तारीख : 24-7-1981

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० (अर्जन)—अर्जन मुक्त विजय माथूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 180 है, तथा जो हाइट टाऊन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिदितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती को प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्जन :—

(1) नंद कुमार पुत्र श्यामसुन्दर अग्रवाल निवासी-1175, नैपियर टाऊन जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बृजमोहन तरा पुत्र श्री रामचन्द्र तरा नि. 160/3 बिष्टानगर श्री. पी. एफ. जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 180 का भाग - सीट नं० 153, माछा सुभाषनगर, हाइट टाऊन बाई पुराना नया बाई, नैपियर टाऊन - एकबा-2394 वर्ग फूट (23'X57')

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख : 23-7-1981
मोहर :

प्रकृष आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्ह. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय
माथूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 180, 180ए है, तथा जो राइट टाउन
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 6-11-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री नन्द कुमार पुत्र श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल निवासी
1175, नेपीयर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(1) श्रीमति आर. आर. अहूजा पत्नी श्री आर. आर.
अहूजा 901, बाई का बगीचा, जबलपुर।

(2) श्री रमेश कुमार अनेजा पुत्र जमनलाल अनेजा, 880
बाई का बगीचा जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 180, 180ए का भाग = रुकबा 4770 वर्ग फीट
मौजा सुभाषनगर, जो राइट टाउन थर्ड जबलपुर में स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख : 23-7-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माधुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 180 का भाग है, तथा जो राइट
टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 6-11-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्जित :—

(1) श्री नंद कुमार पुत्र श्याम सुन्दर अग्रवाल, निवासी
1175 नेपियर टाउन जबलपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती आर. बीर. अहूजा पत्नी श्री आर. आर.
अहूजा, निवासी 901, बाई का बगीचा, जबल-
पुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कारपोरेशन प्लॉट नं. 180 का भाग - सीजा सुभाषनगर -
वाड राइट टाउन - पटाना, नया नेपियर टाउन वाड - रकबा -
 $\frac{49+32}{2} \times \frac{62+57}{2} = 2400 \text{ Sq. ft. करीब}$

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 15/533 का भाग है, तथा जो जवाहर नगर
वार्ड में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 4-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धरता हूँ:—

(1) श्रीमती प्रमीला गौहिल पत्नी श्री खुशाल सिंह सा राज
महेंद्री द्वारा मुख्याय खास श्री कौशवजी वल्द
जयराम राठौर नि. फाफाडिह।

(अन्तरक)

(2) मै. अग्रवाल गुडाखू फाक्टररी फर्म खरसिया द्वारा
श्री गजानंद वल्द मंसाराम अग्रवाल नि. खरसिया
त. रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 15/533 का भाग जो जवाहर नगर वार्ड रायपुर में
गुजराती स्कूल के पास स्थित है। प्लॉट रकबा-1035 वर्ग फुट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981
सोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 33 है, तथा जो ग्रेटर तिरुपति कालोनी
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 25-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलदेव पति सरदार गुरुदेव सिंह
बेन्ना नि. 33 ग्रेटर तिरुपति कालोनी, इन्दौर
हाल-9, शृङ्गीकज, गोरखपुर, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमा सचदेव पति श्री योगराज सचदेव,
निवासी 15/2, सा. तुकोगज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 33, ग्रेटर तिरुपति कालोनी, इन्दौर में स्थित
है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 24-7-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एम. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्द्र. ए. सी. (अर्जन)—अर्द्ध मुझे विजय
माधुर
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 15/533 का भाग तथा जो जवाहर
नगर वाड में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 4/11/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
4-206GI/81

(1) श्रीमती प्रमीला गौहिल पत्नी श्री खुशाल सिंह सा.
राजमहन्त्री द्वारा मु. बास श्री केशवजी वल्लभ
राम रावैर जि. फाफाडीह, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) मं. अग्रवाल गुडाख फेक्टररी बिलासपुर द्वारा
श्री रामचन्द्र वल्लभ मेशाराम अग्रवाल, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 15/533 का भाग जो जवाहर नगर वाड रायपुर
में गुजराती स्कूल के पास स्थित है।
रकबा प्लॉट-1342 वर्ग फुट।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981
मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आइ. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 18/2 है, तथा जो सियागंज में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-11-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (1) कानुभाई सुपूत्र दोरजीभाई पटेल
- (2) श्री रमनभाई सुपूत्र दोरजीभाई पटेल
- (3) श्री रमेशभाई सुपूत्र दोरजीभाई पटेल
- (4) श्री राजेन्द्रभाई सुपूत्र दोरजीभाई पटेल

नि. स्थान 25, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुनीरा पत्नी मुस्तफा बोहरा, चांदनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 18/2, सियागंज, इन्दौर।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 24-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. है, तथा जो जवाहर मार्ग में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै. फकीरचन्द एंड कम्पनी, एम. टी. क्लार्क मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तसनीम पति गुलाम अब्बास, ज़ावनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 206, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 5 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निर्मललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत - उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्मललिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) रामनारायण मोडीलाल अग्रवाल, 4/2 श्रद्धानन्द मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताअरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 5, उद्योग नगर इन्दौर, क्षेत्रफल 15120 वर्ग फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरिक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981
मोहर :

प्रकृष चार्ज. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 40 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
3-11-1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अगारत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डित
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उधसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) रमेश चन्द्र घनश्याम दास, 38 काटन कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 40, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 15000 वर्ग
फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. 52 एफ है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया
त. इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री आवेश्वर जैन छवी लाल जैन, (2) श्रीमती विनोद जैन पत्नी एस. पी. जैन, (3) राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 52 एफ, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 27500 वर्ग फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. एं. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथूर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 52 है है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 3-11-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया,
त. इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ज्ञान चंद पुत्र रतन चंद, (2) रतन चंद
पुत्र दसूमल, नि. 12 गोधा कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 52 ई, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 23500
वर्ग फीट।

विजय माथूर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 52 डी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यहाँ :—

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, तः इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) सुरेश कुमार रतन चंद, (2) श्रीमती निर्मला बाई पत्नी विमल दास, 12 गोधा कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारांप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 52 डी, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 23500 वर्ग फीट।

विजय माथुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

सोहट :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मजमूदा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 29 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-206GI/81

(1) श्री कंशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, त. इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री लीला शंकर त्रिवेदी, छोटी बाल टोली, इन्दौर, (2) ओम प्रकाश 5/8 रोड नं. 1 परदेसीपुरा इन्दौर, (3) सूरज प्रसाद मोतीलाल जैन, 3/3 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोष्टताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 20, उल्हास नगर, मूसाखेड़ी, देवे गुराडिया रोड, इन्दौर, क्षेत्रफल 25800 वर्ग फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई.ए.सी. अर्जन--अतः मुझे, विजय माधुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/110 व 1/111 है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारियस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी शंकर लाल वांकड़ा नि. नजर अली मार्ग, उज्जैन, (अन्तरक)
2. श्री त्रिलोक नाथ पुत्र तारधजी नारंग, दशहरा मैदान, उज्जैन, (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

अनुसूची

सकान नं. 1/110 व 1/111 का भाग जो बूध तलाइ उज्जैन में है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981
मोहर []

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

(1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी बाबल चन्द जैन, दि. 199
पितावद बाम्बे, आगरा रोड, इन्दौर, (अन्तरिक)

2. (1) श्री राजेश कुमार,
(2) हेमन्त कुमार,
(3) मनीष कुमार
(4) भावेष कुमार द्वारा कान्तीलाल शाह, मनीष
दृष्ट, इन्दौर,

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

प्लॉट नं. टीएस-आई, ट्राफिक स्ट नं. 6-7, स्कीम नं.
31, विकास प्राधिकरण, इन्दौर, 12992 वर्ग फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 23-7-1981
मोहर

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. टीएस-आई है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
परावृत्त प्रविशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनों अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय

अर्जन क्षेत्र,

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय माथूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कला में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गौहरगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्स्थित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

(1) श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाब साजिदा सुल्तान बेगम, सुपुत्री एच. एच. नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान, नि.-केसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) नवाब भन्सूरअली पटौदी, सुपुत्र इफ्तीकारअली खान, 8-बी, रसमी कारमिचेल रोड, बम्बई-400261।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 21, 24, 70, 71 में स्थित वन भूमि, जिसका कुल रकबा 95.63 एकड़ है और जो ग्राम चिकलोकला में स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कला में
स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
29 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती एच. एच. मोहस्ताज नवाब साजिदा सुल्तान
बंगम सूपूत्रि स्त्र. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हुमीदुल्ला खान, नि.-कैसर-ए-मुल्तानी, अहमदा-
बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.) ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुवर्ण शमशेर जंग बहादुर राणा सूपूत्र एकराज
जंग बहादुर, नि. सैलाना डोढी, तुकोगंज,
इन्दौर (म. प्र.) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

नवीन खसरा सं. 34, 35 एवं 50 में स्थित वन-भूमि
जिसका कुल रकबा 94.85 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोद
कला में स्थित है ।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकनोद कला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शोहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
28 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाब साजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. कसैर-ए-सुल्तानी, अहमदा-
बाद, पेलसे भोपाल (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री जंठालाल मोदी सुपुत्र विट्ठलदास, नि. मोदी
कूँज, माटुंगा, तेलंग रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Forest Land situated at Village : Chiklod Kalan, New Kh.
No. 33, 43, 64, 65 and 76. (94.89 Acres).

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 22-7-1981
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शोहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27 नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाव में, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती एच. एच. मंहरताज नवाब मौजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. कैमर-ए-सुल्तानी, अहमदा-
बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्री यूसुफ अली सुपुत्र कमरुद्दीन, 398/400,
नरसी नाथा स्टेशन, कत्था बाजार, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 25, 27, 61, 75 एवं 79 में स्थित
वन-भूमि, जिसका कुल रकबा 95.34 एकड़ है, और जो ग्राम
चिकलोद कलां में स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय माथूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27 नवम्बर, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राश्या गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती एच. एच. मंहरताज नवाब साजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. कसर-ए-मुल्तानी, अहमदा-
बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र कुमार सिंह सुपुत्र हीरालाल, नि. कल्याण
भवन, तूकोगंज, इन्दौर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 32, 41, 45 एवं 58 में स्थित वन-
भूमि जिसका कुल रकबा 95.98 एकड़ है, और जो ग्राम
चिकलोद कलां में स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकनोद कलां में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
29 नवम्बर, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि पक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक
है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

6-20531/81

(1) श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाब साजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्रि स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. कसर-ए-सुल्तानी, महमबा-
बाद, पैलेस भोपाल (म. प्र.) ।

(अन्तरक)

(2) मदनलाल मालवीय सुपुत्र रुपराम, नि. 14,
नवलखा मैन रोड, इन्दौर (म. प्र.) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 36, 37 एवं 68 में स्थित वन-भूमि जिसका
कुल रकबा 94.11 एकड़ है, और जो ग्राम चिकनोद कलां में
स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आर्ई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोव कलां में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27 नवम्बर, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एच. एच. मोहरराज नवान साजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवान मोहम्मद
हुमीदुल्ला खान, नि. कैसर-ए-सलतानी, अहमदा-
बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पन्ना पल्लन पत्नी इवेन्वर, नि. 8,
श्री निकेतन, 14 क्वीन्स रोड, वम्बई-400020।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रभाग 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 15, 17, 19 एवं 22 में स्थित वन-
भूमि, जिसका कुल रकबा 95.99 एकड़ है, और जो ग्राम
चिकलोव कलां में स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981
मोहर :

प्ररूप आर्दे. टी. एन्. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आर्दे. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे विजय माथुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

(1) श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाब साजिदा सुल्तान
बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. कैसर-ए-सुल्तानी, महमबा-
बाव पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता साहिरियारियन, पत्नी जहांगीर, नि.
8, श्री निकेतन, 14, प्रवीन्स रोड, बम्बई-
400020।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के बात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन बसरा नं. 10, 16, 18 एवं 11 में स्थित वन-भूमि,
जिसका कुल रकबा 95.38 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोद
कला में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981

मोहर

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन शर्मा, भोपाल

भोपाल, तारीख 22 जुलाई 1981

निर्देश आर्. टी. एन. एस. (अर्जन—अर्जुन) मूकें विषय माधुम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं. वन भूमि है, तथा जो चिकलावे कला में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर गंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवम्बर, 1980

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से दर्शाया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

((1)) श्रीमती एम. एम. मोहंदास नारायण आश्रित सुल्तान बेगम कन्या एम. एम. एम. नारायण मोहम्मद हमी-कुल्ला खान, नि-कसर-ए-सुल्तानी अहमदाबाद पैलेस, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नान्ही बालिया पत्नी असजीत सिंह नि.-20, इंदगाह हिल्स, भोपाल (म. प्र.) (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 7(a) 8 एवं 9 में स्थित वन-भूमि जिसका रकबा 95.07 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलावे कला में स्थित है।

विषय माधुम
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जुन, रज्जु भोपाल

तारीख 22-7-81
मोहंदास

प्रमुख आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चना क्षेत्र, ओपाल

ओपाल, तारीख 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्क्ष.टी.एन.सी. (अर्चना)---अर्चना मुन्डे विभाग
माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

अर्चना क्षेत्र, सं. वन भूमि है, तथा जो विकलाव कला
में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चौहूर गंज
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 27-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्रीमती एच. एच. मेहर ताज नवाब साजिदा
सुल्तान बेगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद
हमीदुल्ला खान, नि. -कैसड-ए-सुल्तानी, बहमन-
बाद-पैलेस ओपाल

(2) श्री कैप्टेन नवीन शाह पुत्र श्री शांतिभाई हरजीब
मेहता, नि. -8 श्री निकेतन, 14 ब्पीन्स डोब, बम्बई-(400-020)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास
लिखित किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 1 से 6, 13 एवं 63 में स्थित वन-भूमि,
जिसका कुल एकड़ 98.57 एकड़ है और जो ग्राम विकलाव
कला में स्थित है।

निर्देश माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्चना क्षेत्र ओपाल

तारीख 22-7-1981
माधुर

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन श्रेष्ठ, भोपाल

भोपाल, तारीख 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आ.ए. 10 सी. (अर्जुन) — अर्जुन मुझे विषय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन भूमि है, तथा जो जिक्रजोह कला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साहू गंज में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमती एच. एच. मोहड राय नवाब साहिबदा सुल्तान बेगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब सोहेमस हमीबुल्ला खान, नि. काँझर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल (म.प्र.)

(1) श्री उदुन सिंह पुत्र पृथ्वीसिंह नि. विजयपुर, जिला-भांड (म.प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 20, 57 एवं 59 में स्थित वन-भूमि जिसका कुल रकबा 95.01 एकड़ है, और जो ग्राम जिक्रजोह कला में स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जुन एन्ड भोपाल

दिनांक 22-7-81
मोहड

प्ररूप पाई० डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्देश से आइए.सी. (अर्जन)—अर्जन मुक्त विषय
माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि, है तथा जो चिकलादे कला में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर गंज
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 29 नवम्बर, 1980

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती एच.एच. मेहरा ताज नवाब साहिबा सुल्तान
बेगम कन्या स्व. एच.एच. नवाब मोहम्मद हमी-
दुल्ला बानु नि. कसूर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद
पैलेस भोपाल-(सं. प्र. 2)

(अन्तरक)

(2) श्री सुमेरमल जैन पुत्र गंभीरमल सी./ओ. राज कार-
पेड़, जीवनी मंडी, बागुरा (उ.प्र.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन बसरा नं. 54, 55 एवं 69 में स्थित वन-भूमि
जिसका कुल एकड़ 94.96 एकड़ है, और जो ग्राम चिक-
लादे कला में स्थित है।

विषय माधुर
सख्त प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक: 22-7-1981
माधुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन अर्थात् अधोपाध

अधोपाध दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई.टी.एन.एस. (वर्जन)---अतः मुझे विषय
माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
वर्जित भूखंडों से धन-भूमि है, तथा जो विकलाव कला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साहू गंज
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 27 नवम्बर, 1980
को-पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

श्रीमती एच.एच. मेहर ताऊ नवाब साहिबा सुल्तान
बेगम कन्या स्व. एच.एच. एच. नवाब मोहम्मद हमी-
दुल्ला खान, रि. कोसड-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद
पैलेस, भोपाल-(म.प्र.)

(2) श्री अमीर-उद-दीन पुत्र कमरुद्दीन माफेत अमीर
दुबई, मधराफी डॉ. इब्राहिम-ए-मुहम्मद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन सूचका सं. 39, 48, 66 एवं 72 में स्थित वन-
भूमि, जिसका कुल रकबा 95.31 एकड़ है, जोड़ों का नाम
विकलाव कला में स्थित है।

विषय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
वर्जन रजि. भोपाल

दिनांक 22-7-1981
साहू

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई.टी.एन.सी. (अर्जन)—अतः मुझे विजय
माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलादे कला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर गाँव
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 29 नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

7-206GI/81

- (1) श्रीमती एच. एच. मेहर राज नवाब साहिबा सुल्तान
बेगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमी-
दुल्ला खान नि. कौसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद
पैसेस, भोपाल-(म.प्र.)
- (2) श्री एच. एच. दिग्विजय सिंह पुत्र दिलीप सिंह,
जसवंत पैसेस, सैलाना, खायी-उतलाम (म.प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 31, 44, 52, 56 एवं 74 में स्थित
वन-भूमि, जिसका कुल रकबा 96.57 एकड़ है, और जो
ग्राम चिकलादे कला में स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अनु. मुझे विषय
 माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोव कला में
 स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर गंज
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, 28 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप में कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती एच. एच. मोहर ताज नवाब साजिदा सुल्तान
 बेगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमी-
 सुल्ता खान नि. कसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद
 प्लेस, भोपाल (म.प्र.)

(2) श्री लल्लू भाई पटेल पुत्र हनु भाई मार्फत उषा
 स्टोर्स हरीपुरा मेन रोड, सूरत-(गुजरात)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा सं. 28, 30, 51 एवं 80 में स्थित वन-
 भूमि, जिसका कूट रकबा 95.36 एकड़ है, और जो ग्राम
 चिकलोव कला में स्थित है।

विजय माधुर
 सक्षम प्राधिकारी
 (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 22-7-1981
 माधुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे विषय
माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलावे लॉक में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहर गंज
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 27 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से क्रीयत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- (1) श्रीमती एच. एच. मेहर राज नवाब साजिदा सुल्तान
बेगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमी-
बुल्ला खान नि. कौसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद
पैलेस, भोपाल-(म.प्र.)
- (2) श्रीमती रती बार सीवाला पुत्ती जमशेब नि. 670,
जवहर बाबू टिरेस, रोड नं. 13, पारसी कालोनी
वाटर, बम्बई-(400-014)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नवीन बसरा नं. 23, 26 एवं 29 में स्थित वन-भूमि
जिसका कुल रकबा 95.71 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलावे
कला में स्थित है।।

विषय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 22-7-1981
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. ई-4/124 है, तथा जो अररो कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री डा. खुशालचन्द मलैया, संभागीय शिक्षा बोर्ड-अक, बुर्ग (म.प्र.)
- (2) श्रीमती सुमन जैन कन्या श्री जिनेंद्र कुमार जैन, पोस्ट-गौर ग्राम, सागर (म.प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. ई-4/134, अररो कालोनी, भोपाल

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र-II, भोपाल

दिनांक: 25-7-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो मंडीबीप में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शोहर गंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री छोटे बां, इकबाल बां, आत्मज श्री मोहम्मद बां नि. नयापुरा मेवाती, तह:-शोहरगंज, जि. राम सेन (म.प्र.)

(2) श्री सप्तकृषि डोरी एण्ड कार्म मण्डीबीप, तह:-शोहर गंज, जि. राम सेन (म.प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि को खसरा क्र. 9 में स्थित है, और जिसका कुल रकबा 20.38 एकड़ में से 90.96 एकड़ बेधा गया है। यह भूमि ग्राम मंडीबीप में स्थित है।

विजय माधुर,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र-II, भोपाल

दिनांक: 25-7-1981
शोहर:

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्. टी. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो मंडीदीप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहिरगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री छोटे खाँ, इकबाल खाँ, आत्मज श्री मोहम्मद खाँ नि. नमापुरा मेवाती, तह. शाहिरगंज, जि. रामरुन (म. प्र.)
- (2) श्री सप्तशृषि डेरी एण्ड फार्म मण्डीदीप, तह. शाहिरगंज, जि. रामरुन (म. प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो खसरा क. 9 में स्थित है और जिसका कुल रकबा 20.38 एकड़ में से 90.97 एकड़ बेचा गया है। यह भूमि ग्राम मण्डीदीप में स्थित है।

विजय माधुर,
सक्षम प्राधिकारी
[(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज-II, भोपाल]

दिनांक: 25-7-1981
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई० ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. 384 है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय माया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उमने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या दिखाने में सुविधा के लिए;

धर्तः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) म. नरेन्द्र सिंह विक्रम सिंह चौधरी एण्ड सन्स, 93, बालनी रोड, देवास।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री खान चंद वीरूमल, (2) सेवक पुत्र खान चंद, (3) कु. जयवन्ती पुत्री खान चंद, 29 गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 384, तारनी कालोनी, देवास, 11250 वर्ग फीट।

विजय माधुर,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र-II, भोपाल

तारीख : 21-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 384 है, तथा जो देवास में स्थित है
(और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
26-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके वर्तमान प्रतिफल में, ऐसे
वर्तमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(5) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म. नरेश सिंह विक्रम सिंह चौधरी एण्ड सन्स,
93, शालनी रोड, देवास।

(अन्तरक)

(2) (1) गोरधन लाल शंकर लाल राय, (2) भगवान
दास गोरधन लाल राय, (3) मेवा बाई पत्नी
छत्तू लाल राय, नि. 36.37, लोधी मोहल्ला,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्या 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना, जो उस धार्या में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 384, तारनी कालोनी, देवास, 11250 वर्ग
फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 21-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री परस राम जेठानंद, नि. सिरपुर, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री हरी कृष्ण पूज जगन्नाथ अग्रवाल, नि. 56, कैलाश मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

निरिक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 50 है, तथा जो कैलाश मार्ग,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपवर्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 22-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8-206GI/11

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकताएं करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 50 का उत्तरी भाग जो कैलाश मार्ग, इन्दौर
में है।

विजय माथुर
सूक्ष्म प्राधिकारी
निरिक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 21-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 50 है, तथा जो कैलाश मार्ग,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 23-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में प्रकट नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की मात्रा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमा-याय या किमा भन या अन्य यास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के परोक्षार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परस राम जेठानंद, 64, सिरपुर, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री हरी कृष्ण पुत्र जगन्नाथ अग्रवाल, 56, कैलाश
मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं. नं. 50 का दक्षिणी भाग जो कैलाश मार्ग, इन्दौर में
है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 21-7-1981
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. —————

(1) श्री धूल जी पुत्र धीसा जी राजपूत नि. लसूडिया मोरी त. इन्दौर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्ह. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 102/1 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जाएँ :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्राम लसूडिया मोरी तहसील इन्दौर की भूमि, खसरा नं. 102/1, एक एकड़।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

तारीख : 21-7-1981
मोहठ :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः, विजय माथूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दो मंजिल मकान है, तथा जो महल कालोनी
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 24 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मोतीलाल ओझा, सुपुत्र श्री जगराम ओझा, नि.
महल कालोनी, शिवपुरी, (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री हल्केराम सुपुत्र रामचरण नगरिया, नि. ग्राम-
वीरा, पर-पिछौर, जिला शिवपुरी (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिल मकान, जो कि "महल कालोनी, शिवपुरी"
में स्थित है, का आधा भाग।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 25-7-81
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. आइ. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. दो मंजिल मकान है, तथा जो महल कालोनी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापार में कमी करने या सबसे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोती लाल ओझा, सुपुत्र जी जगराम ओझा,
नि. महल कालोनी, शिवपुरी, (म. प्र.)।

अन्तरक

(2) श्रीमती विद्यादेवी पत्नी बालकृष्ण गुप्ता, जाति-वैश्य,
ग्राम-वीरा, पर.- पिछोरे, जि.-शिवपुरी (म.
प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिल मकान, जो कि "महल कालोनी, शिवपुरी"
में स्थित है, का आधा भाग।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, भोपाल

दिनांक : 25-7-81
मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

नि. सं. आइ. ए. सी. (अर्जन)--अतः, विजय माधुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 29 है, तथा जो सिद्धेश्वरी रोड
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 5 नवम्बर, 1980
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी महेंद्र प्रताप अरोरा,
एवं श्रीमती संध्या देवी पत्नी राजेंद्र पाल अरोरा,
नि. सिद्धेश्वरी रोड, शिवपुरी (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामलू राजा पत्नी श्री पृथ्वीलाल सिंह, नि.
सिद्धेश्वरी रोड, शिवपुरी (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 29, जो कि "सिद्धेश्वरी रोड, शिवपुरी" में
स्थित है।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 25-7-81
मोहता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के. जी. राधाकृष्ण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) पी. टी. सैतालवी और पांच

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम

कोच्चिन-16, दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं. एनमी नं. 523/81-82—यतः मुझे टी. जेड. मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित है) और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 13-11-80 और 29-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64 Cents of leased with a five storeyed building in Calicut.

टी. जेड. मणि

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण):

अर्जन रंज, एरणाकूलम

तारीख : 18-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अब्दुल रहिमान सेठ एण्ड अवरेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री/श्रीमति बी. ई. तोमस और डाक्टर. लिल्ली
तोमस

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम

कोच्चिन-16, दिनांक 17 जुलाई 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. एल. सी. 526/81.82 यतः मुझे टी. जेड्.
माण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो
आलप्पी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को
कार्यालय आलप्पी में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 18-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20.984 Cents of land with a building in Alleppey village.

टी. जेड्. माण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकूलम

दिनांक : 17 जुलाई 1981

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सणिण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नैतन्या कॉर्पोरेशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि,

एरणाकुलम, दिनांक 20 जुलाई 1981

निर्देश सं. एल. सी. 527/81-82—यतः मुझे, टी. जेड.
माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी से अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9-206GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

46 Cents of land in Sy. No. 8477/C 1.4 of Quilom village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि, एरणाकुलम

दिनांक : 20 जुलाई 1981
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 111/497/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. तोजी संख्या 5225/14850 बाड संख्या 33, सर्किल संख्या 245, खाता संख्या 62 है, तथा जो बूजरा (बोरिंग रोड) पटना में स्थित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्पत्ति कर से तय नती किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती राज कुमारी सिंह जीजे श्री कुमार गणपती प्रसाद सिंह वहाँसयत मां और वली श्री कुमार अमित सिंह वो श्री कुमार अरवीन सिंह नावालिगान साकिन रंक्काराज पत्रालय रंक्काराज जिला पलामू। (अन्तरक)

2. श्री श्री कृष्ण नन्दन वाष्णीय आत्मज श्री देवकी नन्दन वाष्णीय (2) श्रीमती ज्योत्सना जजि श्री कृष्ण नन्दन वाष्णीय साकिन महल्ला कदम कुआं थाना कचम कुआं पटना। (अन्तरित)

(3) (1) श्री श्रीकृष्ण नन्दन वाष्णीय, (2) श्रीमती ज्योत्सना।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्ठा 5 घूर एक मंजिला पक्का मकान सहित मीजा बूजरा पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका नम्बर, 7896 दिनांक 17-11-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 3-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 111-499/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट संख्या 520, 523, 524 का भाग सीट नं. 23, होल्डिंग संख्या 84 का भाग सर्कील संख्या 3 है, तथा जो बांकीपूर लोदीपूर जो अब छज्जूबाग के नाम से जाना जाता है और डा. टी. एन. बनर्जी रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-11-80 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-11-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिस्टर अश्वलेन्द्र नाथ मुखर्जी, अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, पटना हाई कोर्ट बल्द स्व. राय बहादुर सुरेन्द्र नाथ मुखर्जी खुद ओ बली, वहाँसयत डा. अंजन मुखर्जी, पुत्र निवास स्थान बैंक रोड, थाना कोतवाली, पटना।

(अन्तरक)

(2) मिस्टर अनूप मुखर्जी, आई. ए. एस. बल्द मिस्टर प्रभुवल्लभ मुखर्जी, निवास स्थान आर्शिवाद, एस. पी. बर्मा रोड, पटना, वर्तमान जिलाधीश समस्तीपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 479,93 वर्ग मीटर जो मौजा छज्जूबाग, डा. टी. एन. बनर्जी रोड पटना में स्थित है जो पूर्णरूप से बसिका नम्बर 7660 दिनांक 1-11-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, पटना

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) (1) आबन्ध प्रभा मित्र (2) सुसन्त मित्र (3)
पिनाकि मित्र (4) प्रतिभा वल्लु (5) पुणिमा वल्लु
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

- (2) श्री अनुभोज्य दास बैरागी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

कलकत्ता, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं. ए.सी./रज-सं. 930/एक्यू.-आर.-1111/
कल.—यतः मुझे, आई. बी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 65ए., 65बी., एण्ड 2/1ए. है तथा जो
पबपकूर रोड जोगेशमित्र रोड कलकत्ता में स्थित है और
इससे उपबन्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-11-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन :-

65 ए. 65 बि एण्ड 2/1 ए. पबपकूर रोड एण्ड जोगेश
मित्र रोड-कलकत्ता में अवस्थित 7 कट्टा 3 छटांक 8 वर्ग फिट
जमीन पर आंशिक एक तल्ला और दो तल्ला मकान जो
20-11-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का दफ्तर
रजिस्ट्री हुआ।

आई. बी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1111
54, रफीअहमद कियदाह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 18-6-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हिरन बाला साहा और बसरा (अन्तरक)

(2) श्री हिरा लाल साहा और बसरा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जुलाई 1981

निर्देश सं. 928/एक वी. आर.-181-82--यतः, मुझे,
आई. वी. एस. जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं 4/73 है तथा जो चन्डीतला लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा -(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4/73, चन्डीतला लेन, कलकत्ता, 3 के-1 सी. एच.-1 एस
क्यू. एफ. टी. जमीन पर मकान।

आई. वी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज। II

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 1-7-81

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

(1) श्री/सुधीन्द्र कुमार दास, (अन्तरक

(2) श्री/अमबर प्रपारटीस लि: (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-111, 54 रफीअहमद किववाह रोड, कलकत्ता
अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जुलाई 1981

निर्देश सं. 927/एक्सी. आर.-111/81-82—यतः,
मूझे, आई. वी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 25 है तथा तो बठारलू स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),
राजिष्ट्रीकृति अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजिष्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
3-11-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्जित:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

25, बठारलू स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित अभिभक्त भकानु
का 1/6 हिस्सा। वील सं. 265 II

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रोज,
54, रफीअहमद किववाह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 1-7-1981
मोहूड

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मनिशा सेन और इसरा (अन्तरक)

(2) राम किशोर चौधरी और इसरा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं. 929/एक्वी-111/81-82-कल.—यतः मुझे, आई.

वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 159/1 ए, 159/बी है तथा जो रामबिहारी
एमिनू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में
और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का ठिकाना :—

159/1 ए एन्ड 159/1 बी, रासबिहारी एमिनू,
कलकत्ता

1 बी-5 के-13 इंच जमीन पर मकान।

आई. वी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111

54, रफीअहमद किववाह रोड,

कलकत्ता-19

तारीख : 6-7-1981

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

[(1) श्रीमती सुरेश बाई]

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

[(2) श्री रवीन्द्र]

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 20 जुलाई 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं. ए. सी.-39/रज-4/कल./81-82—अतः

मुझे, के. सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 66 है तथा जो अमृतलाल दाँ रोड, बाना
एवं मीठा-बरानगर है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
काशीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1980 का दस्तावेज सं. 8435 के मुताबिक 66 अमृतलाल
दाँ रोड, बरानगर, कलकत्ता पर मकान समेत 8क. 9छ. 35
वर्गफुट जमीन है।

के. सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज,
54, एफाईएमड किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

के. च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, अर्थात् :—

दिनांक 20-7-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं. 325/81-82--यतः मुझे, आर. थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सि.टी.एस. नंबर 213/2 और 205 है, जो एम. सि. मार्केट, हुबल्लि में स्थित है (और इससे उपानब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबल्लि अंडर डायमेंट नम्बर 1889 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
10-206GI/81

1. (1) श्री वीरप्पा गुरुसिद्धप्पा भूसनूर
(2) श्री सुधीर पि. भूसनूर
(3) श्री सुनील बि. भूसनूर क्रमांक 2 और तीन अन्य व्यक्त श्री वीरप्पा गुरुसिद्धप्पा भूसनूर की संरक्षणा में ज्वलिसाल, हुबल्लि (अन्तरक)
2. (1) श्री पुंकराज अ. भूरन
(2) श्री ज्वलिसाल पि. भूरन ज्वलिसाल, हुबल्लि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एम. जि. मार्केट, हुबल्लि, वार्ड नम्बर 2 में स्थित इमारत (जगह मीहूत) जिसका सि. हि. एस. नम्बर हैं 213/2 और 205 ।

आर. थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बेंगलूर

दिनांक: 3-4-1981
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन उज्ज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं. 331/81-82—यतः मुझे, आर. थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नम्बर 15/142 है, जो वाड 14, नेहरु कोओपरेटिव कालोनी, होसपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसपेट अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 1282 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री के. मुरगेश मुदलियार का पुत्र श्री एम. सुब्रमन्यन, पटेल नगर, होसपेट।

(अन्तरक)

- (2) श्री एच. आर. गवियप्पा का पुत्र श्री एच. जि. रंगनगौडा, नेहरु कोओपरेटिव कालोनी, होसपेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाड नम्बर XV नेहरु कोओपरेटिव कालोनी होसपेट में स्थित बिल्डिंग (भूमि सहित) जिसका डोर नम्बर है 15/142।

आर. थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन उज्ज, बेंगलूर

दिनांक 22-4-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जुन राजेंद्र बोंगलोर

बोंगलोर, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं. 333/81-82—यतः मुझे, आर. थोथानी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नम्बर 2860 है जो कडे बजार, बेलगम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 2806 तारीख 25 नवम्बर, 1980 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) (1) श्री नारायण गणेश जवाह, कडे बजार, बेलगम (अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती संचयि वसुमतिबेन सेवंतिलाल

(2) श्रीमती बोंशि प्रभाबेन नानाखाल

(3) श्रीमती शीमलाबेन जयचिलाल 1507, बेशपांडे गल्ली, बेलगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कडे बजार, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका सि. टि. एस. नम्बर है 2860।

आर. थोथानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जुन राजेंद्र, बोंगलोर

दिनांक 22-4-1981
मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/28898/80-81/एसीक्यूबी—
यतः मुझे आर. थोथानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पुरानी सं. 36 और नया सं. 59 (2 फ्लोर)
है, तथा जो मिल्लरस रोड, बेन्सन टाउन, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4 नवम्बर, 1908

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मेहताजी आजी विवर्गत अम्बाला उर्फ के पूरुषा सिंह
16-7-302, अजमपुरा हैदराबाद-500024 (ए.
पी.)

(अन्तरक)

(2) शा. एस. एन. महमूद सिंह 6-3-246/1 बंगला
हिल रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बा. में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बंगलूर

[वस्तावेज सं. 3072/80-81 दिनांक 4-11-80]

धर सम्पत्ती है जिसका पुरानी सं. 36, और नया सं. 59,
(II फ्लोर) मिल्लरस रोड, बेन्सन टाउन, बंगलूर।

चकबन्दी है।

उ. में—मिल्लरस रोड

व. में—दीक्षण रेलवे के संपत्ति

पू. में—अन्तरक के काटने

पू. में—प्रैक्टिस प्रापर्टी

आर. थोथानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

दिनांक 25-4-1981

महेश

प्रकृप आई० टी० एन० एम०—

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर

अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/28897/80-81/ए. सी. जी. बी.—यतः मुझे, आर थोथानी
भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त अधिकांशों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. पुरानी सं. 36 और नया सं. 59(1 फ्लोर) है, तथा जो मिल्लरस् रोड, बेंगलूर टाउन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 नवम्बर, 1980 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उन्हे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मेहवी आली दिवंगत अब्दुल रज् के पुत्र. सं. 16-7-302, अजमपुरा, हवराबाद
- (2) श्रीमती महापरा रबीव उवय्याम् की पत्नी सईदाबाद, हवराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं. 3061/80-81 ता. 10-11-80]
घर सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं. 36, और नया सं 59 (I फ्लोर) मिल्लरस् रोड, बेंगलूर टाउन, बंगलूर।
लुकबन्दी हुई।

उ. में—मिल्लरस् रोड

द. में—दक्षीण रेलवे के संपत्ती

प. में—अन्तरक के काटेज

पं. में—प्राइवेट प्रापरटी

आर. थोथानी
सुक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, बंगलूर

दिनांक: 25-4-1981
मोहरः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं. 337/81-82—यतः, मुझे, आर. थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. घर नंबर 814 है, जो चिंचिनिम ग्राम गोवा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सान्मेट, गोवा अंडर डायरेक्ट नंबर 106/751, तारीख 1-11-1980 में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 ()

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) (1) श्री क्लोडिनो बनेडिक्टो फर्नीडिस, (2) फ्लोरा प्याट्रोसिना उर्फ फ्लोरा प्याट्रोसिना पेरेरा इ फर्नीडिस उर्फ फ्लोरा फर्नीडिस असोलना, गोवा।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री क्रान्सस्को भोवियर अलंकसांडीनो डे सौसा (2) इपिकानियो ओ लुसिनो डे सौसा, घर नंबर 22 (पुराना), 43 (नया), दुर्गा चिंचिनिम, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिंचिनिम ग्राम, गोवा में स्थित 994 स्क्वोर मीटर जगह और उस पर की बिल्डिंग जिसका नंबर है 814।

आर. थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बेंगलोर

तारीख : 14-5-1981.
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 8 जून 1981

निर्देश सं. 339/81-82—यतः मुझे, आर. थोधाद्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और सिध्दमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्रिमन्त्रिकाणी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मेट्रिज नंबर 280 ल्यांड रजि. नंबर 1958 है, जो पणजि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकती अधिकारी के कार्यालय, पणजि, गोवा अंडर डायरेक्ट नंबर 451/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

क' पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; धीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) (1) सोलानो बारन कैलिन पलहा

(2) रामन सि. पलहा

(3) कोस्मो पलहा

(4) डाक्टर. सोलन बेलोडिया पलहा, सोलारमूल कोर्ट, गोम्स पेरीया रोड, पणजि।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री कोचुनेटो इसिडांगो लुइस डि कन्हा

(2) श्रीमती मारीया औरिलिया मनेजिस कन्हा सोलारमूल कोर्ट, गोम्स पेरीया रोड, पणजि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नन्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पणजि में ल्यांड रजिस्ट्रेशन नंबर 1958 और मेट्रिज नंबर 280 जमीन पर स्थित "सोलारमूल कोर्ट" नाम का इमारत में फ्लायट नंबर 3।

आर. थोधाद्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलोर

तारीख : 8-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/28854/80-81/एक्यू. बी.—
यतः मुझे, डा. ललित कुमार राव वी. ए.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. पुरानी सं. 429/1 और नयी सं. 152 है,
तथा जो 8वां मेन रोड मल्लेस्वरम्, बंगलूर-3 स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
ता. 24-11-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एस. बालसुब्रमनियन्, सं. 67, डा. राधा-
कृष्णन् रोड, मल्लापूर, सद्दास-4।

(अन्तरक)

(2) श्री डी. श्रीनिवासन् और 99 अन्य लोगों सब के
प्रतिनिधि हैं, श्री डी. श्रीनिवासन् सं. 4,
12 फ़ास, 8वां मेन रोड मल्लेस्वरम् बंगलूर-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावजे सं. 4224/8081 ता. 24-11-80)

घर संपत्ति है जिसका पुरानी सं. 429/1 और नयी
सं. 152, VIII मेन रोड मल्लेस्वरम्, बंगलूर-3223
3996 स्क्वैर मीटरस् जिसमें इमारत भी है।

चकबन्दी है:

उत्तर में—सैट सं. 429/एल

दक्षिण में—श्री मती वास के संपत्ति

पूर्व में—7वां मेन रोड

पश्चिम में—8वां मेन रोड

डा. वी. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) ठी. बी. अप्पा राव।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) बी. के. नीलनि जयनती।

(अन्तरिती)

(3) लस स्टाल होलडरस। असोसियेशन और अवर ट्नेटस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभागों में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 25 जून 1981

निर्देश सं. 15912--यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 181, लस चरच रोड और 144, रामपेट्टा है, जो है रोड, मैलापुर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (ठाकूमेट सं. 52/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

11-206GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण - 181, लस चरच रोड और 144, रामपेट्टा है रोड, मैलापुर, मद्रास (ठाकूमेट 52/81)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 मद्रास-600006

तारीख : 25-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती श्रीवैवी पतमकुमार और अनवर।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री उद्धो गहायज।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं. 7/नवम्बर/80—यतः, मुझे, राताबाल
किरणगणन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 9, बकफोर रोड, मद्रास-10 (आर. एस.
सं. 3138/5) है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नारथ मद्रास, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 30-11-80
(डाकूमेंट सं. 4785/80)को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
जो. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी और निरमाण अट डोर सं. 9, बकफोर रोड, मद्रास-
10।

(डाकूमेंट सं. 4785/80)

राधा बालकिरणगणन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास-600006तारीख : 4-7-1981
मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी. एन. एस.—

(1) श्री ए. किरुण्णम राजा फार मंजर मूतुरामकिरुण्ण राजा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. एस. सुबीर अहमद और अजदर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 59/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-

चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

हूँ और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलाकाडू गांव है, जो तेंकासी डालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेंकासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1022/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बायिल्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा का लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमी सरवे सं. 75 और 76, किलाकाडू गांव तेंकासी डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डालूक सं. 1022/80)।

आर. रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास-600006

तारीख : 14-7-1981

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 58/नवम्बर/80—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव, तनकासी है, तथा जो तालुक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनकासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-11-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) ए. ए. किरुण्णाम राजा फार मेजर ए. सी. सिवरामकृष्ण राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

प्रमुखी

अनुसूची

(भूमि, अट विलांकाडू गांव तनकासी तालुक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट डकूमेट सं. 1015/80)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास-600006

तारीख : 14-7-81
मोहर

प्रकृप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 57/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सरखे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव,
है, जो तेनकासी डालुक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और हमसे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा और अजदर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमत और अजदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि अट सरखे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव,
तेनकासी डालुक तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डाकूमंट सं. 1014/80।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास-600006

तारीख : 14-7-81

मोहर B

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 60/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव
है, जो तेंकासी जालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेंकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-11-80

(डाकूमैट सं. 1023/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री. ए. ए. किरुण्णम राजा फार मैजर ए. के.
गनेसे सुब्बराम राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमद और अजदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रशों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमी अट सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव,
तेंकासी जालूक—डाकूमैट सं. 1023/80)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, मद्रास-600006

तारीख : 14-7-81
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा फार मँजूर ए. के. ज़राम
(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमद।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रज-1 मन्त्रास-600006

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

मन्त्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 61/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव
है, जो तेनकासी डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-11-80

(डाकूमंट सं. 1024/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(भूमी अट सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव,
तेनकासी, डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डाकूमंट सं. 1024/80)।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1 मन्त्रास-600006अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—दिनांक 14-7-81
मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री ए.ए. कृष्णम राजा (फार मँजर तिरुप्पति राजा)।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 मन्नास-600006

मन्नास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 62/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव
है, जो तेन्कासी जालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेन्कासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
(डाकुमेंट सं. 1025/80)

30-11-80.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
ऐसा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी अट सं. सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव,
तेन्कासी जालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डाकुमेंट सं.
1025/80)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1 मन्नास-600006

तारीख : 14-7-81
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-I मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 63/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76 है, जो किलांकाडू
गांव तेनकासी तालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-11-80

(डाकूमेंट सं. 1026/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धारिष्यों
की जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा अनवर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि अट सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव
तेनकासी तालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डाकूमेंट सं.
1026/80)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-I, मद्रास-600006

तारीख: 14-7-81
मोहरः

प्राकृतिक आई. डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, तारीख 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 64/नवम्बर/80—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सरवे सं. 75 और 76, किलाकाडू गांव तनकासी है, जो तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तनकासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1980 (डाकूमेंट सं. 1027/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा फार मंजर मत्तुराम कृष्ण राजा

(अन्तरक)

(2) एम. एस. सबीर अहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[(भूमि अट्ट सर्वे सं. 75 और 76, किलाकाडू गांव, तनकासी तालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट—डाकूमेंट सं. 1027/80)]

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख 14-7-1981
मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती किरणवानी अम्माल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री के. पी. रामसमी (अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, मद्रास

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं. 10/नवम्बर/80—यतः, मुझे रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं. आर एम सं. 372/2 और 376/17 नैरोजी स्ट्रीट चेटपुट है, जो मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ में भारत रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-80 (डाकूमेट सं. 4822/80)

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(भूमी अट आर एस सं. 372/2 और 376/17 नैरोजी स्ट्रीट चेटपुट, मद्रास 31-डाकूमेट सं. 4822/80)

आर रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 14-7-81
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती तवेगी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री के. पी. रामासामी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 11/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर एस सं. 372/2 और 376/17 नैंगोजी स्ट्रीट है, जो मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-80 डाकमैट सं. 4823/80

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिक्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमी अट आर एस सं. 372/2 और 376/17, नैंगोजी स्ट्रीट चेटपुट, मद्रास-31-डाकमैट सं. 4823/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख: 14-7-81
मोहर []

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के. वेंकडीकृष्णन

(अन्तरक)

2) श्री के. पी. रामसामी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 12/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. सं. 372/2 और 376/17, स्ट्रीट, है, जो चेटपुट, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) दिनांक 15-11-80 (डाकूमेट सं. 4824/80) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगत को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(भूमि अट आर. एस. सं. 372/2 और 376/17, नैरोजी स्ट्रीट, चेटपुट, मद्रास-31-डाकूमेट सं. 4824/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, मद्रास

तारीख: 14-7-81
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री बी. पुरुषोत्तम रेठ्ठी और अन्नस (अन्तरक)
 (2) श्री जुगल किशोर जलाज और अन्नस (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

मद्रास, -6000006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्वाह सं. 16/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रविचन्द्रन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. 99, हरिजन रोड, मद्रास-31 है, जो मे
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), री जस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट, मद्रास में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन 30-11-80
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अनुसूची

(भूमी और निरमाण अट जोर सं. 99, हरिजन रोड, मद्रास-31
 डाकूमेंट सं. 1392/80)

आर. रविचन्द्रन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज-I, मद्रास

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 14-7-81
 माहुर:

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

(1) श्री के. वेंकटकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मतासिवकारमलै चेल्लम्माक

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं. 42/नवम्बर/80--यतः, मुझे आर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे सं. 8½ और 90/3, जठकोम्बे गांव,
नामक्कल है, जो तालुक, सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडामंगलम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
10-11-80

(इकमेट सं. 1759/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
'अन्तरितियों' के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि और सर्वे सं. 8½ और 90/3, जठकोम्बे गांव, नाम-
क्कल तालुक, सेलम डिस्ट्रिक्ट-इकमेट सं. 1759/80)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज
मद्रास

तारीख: 14-7-81
मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवेश सं. 13/नवम्बर/81--यतः, मूझे, आर.
रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. आर एम सं. 4658 और 4659 और डोर सं.
218 है, जो लिंघी चेट्टी स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
30-11-80
(डाकमेट सं. 4860/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) आल इन्डिया ट्रेडिंग कम्पनी सं. 183, लिंघी
चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1।

(अन्तरक)

(2) मल्ला अबदुल हमीद रांघीबाई बाय ट्रस्ट, सं.
218, लिंघी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट डोर सं. 218, लिंघी चेट्टी,
मद्रास-1 डाकमेट सं. 4860/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास

तारीख: 15-7-81
माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम. नटराजन चेट्टीयार और अदम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. राजामन्नार और अदम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं. 68/नवम्बर/80—यसः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. डोर सं. 35 सिरनेनी, कठनूर मेथीन रोड है,
जो अम्मापेट्ट, सेलम में स्थित है (और इससे उपानबध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-11-1980
(डाकमेट सं. 6540/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
06GI/81

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट डोर सं. 35, सिरनेनी कठनूर मेथीन
रोड, अम्मापेट्ट, सेलम—डाकमेट सं. 6540/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, मद्रास

तारीख: 14-7-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस गोपालन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई. एस. राजामनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हुआ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं. 79/नवम्बर/80—यतः, मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 1092 और 1093 बठिवीस्वरम गांव,
है, जो कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपा-
वध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नागरकोवला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1980
(डाकमैट सं. 44480/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि और सर्वे सं. 1902 और 1903, बठिवीस्वरम गांव,
कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट डाकमैट सं. 4448/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 15-7-81
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2671---यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
मानसा कला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी जोग सिंह, गांव मानसा
खुर्द, तहिल मानसा, जिला भटिंडा.

(अन्तरक)

(2) श्री हरचरण सिंह, गुरलोज सिंह पुत्र दलीप सिंह,
गांव मानसा कला, तहिल मानसा, जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 3791, दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. न. 2672—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसाकलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोरा सिंह पुत्र शाम सिंह, गांव मानसा बुद्ध, तहः मानसा, जिला भाटिंडा।

(अन्तरक)

(2) श्री हरचरण सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र दलीप सिंह, गांव मानसा कलां, तहः मानसा, जिला भाटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैस कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3826 दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2673—यतः मूके, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू विजय नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र पूरन सिंह, गांव-लिटरा, तह्मिः नकोदर, जिला-जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना विज पत्नी सुशील विज, मकान नं. 140 - काजी मोहल्ला, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5005 दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2674—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो डीफैस कालोनी, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लछमण दास पुत्र गुरदास राम, वासी: आदमपुर, तह: और जिला जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ चंद पाल पुत्र इन्द्र दास पाल, गांव: बरिंग, तह: और जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं. 5138 दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2675—यतः मूझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो करनागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरण सिंह पुत्र बारा सिंह, गांव: करतागपुर, जिला-जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनगो सिंह पुत्र मोहन सिंह, गांव: व्यास पिंड, जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 867 दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनागपुर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2676—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करतारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरणसिंह पुत्र बारा सिंह वासी: करतारपुर, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्नल सिंह, परमजीत सिंह पुत्र मीहिंगा सिंह वासी पिण्ड ब्यास, जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में हस्तांतरण होता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 885 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करतारपुर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि. जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2677—यस: मुझे, आर. गिधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिदड़वाहा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़वाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र फूला सिंह वासी: मोड़ मण्डी खुर्द, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभा प्रभा सिंह और बलदेव सिंह पुत्र बीबा सिंह वाड नं. 8, गिदड़वाहा तहसील, मक्तसर, तथा रोशम सिंह, लाभ सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, वासी वाड नं. 8, गिदड़वाहा तहसील मुक्तसर जिला: फरीदकोट।

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1387, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गिदड़वाहा ने लिखा है।

आर. गिधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि. जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2678—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा कला स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981

को पतोकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापवोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरिस्तिथी) के बीच गमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री शेर सिंह पुत्र किशन सिंह वासी: बस स्टैण्ड मानसा, जिला: भटिण्डा और गुरनाम सिंह पुत्र शेर सिंह गांव: मानसा कलां तह: मानसा जिला, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) शेर सिंह पुत्र निधान सिंह, वासी, मानसा कलां तह. मानसा, जिला भटिण्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5128 दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 30-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2679—यतः मुझे, आर., गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

[(1) श्री गुरवचन सिंह, बलविन्द सिंह पुत्र शेर सिंह गांव मानसा कलां तहसील मानसा, जिला भाटिण्डा।

(अन्तरक)

[(2) श्रीमती जसवंत कौर पत्नी शेर सिंह गांव, मानसा कलां तहसील मानसा, जिला भाटिण्डा।

(अन्तरिती)

[(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

[(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 5129 दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख 30-6-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2680—यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव किगरा में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 6957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलराम पुत्र बलवन्त राम जनरल अटोरनी
श्री पृथ्वी पाल सिंह पुत्र संत सिंह वासी गांव दहनुगाला
तहसील, दसुआ।।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वण सिंह डोगरा पुत्र हजारा सिंह वासी मं.
नं. BH-128 संतोषपुरा जालन्धर और श्री चानन
सिंह जोहेल पुत्र राजमल वासी जंड़ियाला द्वारा श्री
बी. एस. जगाता मनेजिंग डायरेक्टर लिंक लैंड और
लिमिटेड जालन्धर।।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि अधिक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं.: 5049 दिनांक
नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है।।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :-

प्रसन्न आई टी एन एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2681—यतः मुझे, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दस्तवी ऐक्ट जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तिशो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती चांद रानी विधवा श्री राम लाल वासी मुकान नं. डब्लू. ए. 50, गुरु बाजार, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री जालन्धर शक्ति कॉर्पोरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड जालन्धर द्वारा श्री सतपाल दगां वामी 66-ए माडल हाउस जालन्धर।

(अन्तरिनी)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्समग्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 4828 दिनांक नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

नियम नं. ए.पी. नं. 2682—यु. भुके, आर गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मास्टर मोतीसिंह नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री चरणदास पुत्र श्री मंगल राम वासी गांव सुमराख
जिला जालन्धर।।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह पुत्र बंता सिंह और श्रीमति हरबन्स
काँट पत्नी श्री अजीत सिंह गांव पड़ागपुड पोस्ट आफिस
(अन्तरिणी)

मोहरपिंड जिला जालन्धर।।

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 5016 दिनांक नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख 30-6-1981
मोहर:

प्रकृप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2683—यतः मुझे, आर गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री संत पुत्र ठाकर रामनाथ सिंह सैलक और मुस्तियार--ए--आम लेख सिंह रामेश्वर सिंह और राम प्रताप पुत्र जांती मिह वामी बंगा तहसील नवाशहर जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीता पत्नी श्री अगेरक राम भूतसिंह कभीधनूर, बंगा तहसील नवाशहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके दारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 1438 दिनांक 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंगा में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
मोहरः

प्रारूप आर्द्ध-टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. मं. 2684—यतः मुझे, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बगों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बगों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री संत सिंह पुत्र ठाकर रामनाथ सिंह सैलफ और मुस्तियार--ए--आम, लेख सिंह, रमेश्वर सिंह और राम प्रताप पुत्र जांतीसिंह वासी बगों तहसील नवांशहर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्री डोगर राम पुत्र श्री बंता रोम म्यूनिसिपल कमिशनर बगों तहसील नवांशहर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1439 दिनांक नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बगों में लिखा गया है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
सोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2687—यतः मुझे, आर. गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

15-206GI81/

(1) श्री गुरमुख सिंह पुत्र गिहाण सिंह वासी कपूरथला।
(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह बलवंत सिंह कलवंत सिंह वासी,
कपूरथला।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनियम नं. 2238, दिनांक
नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा
है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2687—यतः मझे, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपुरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपुरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) बखशी सिंह पुत्र बंता सिंह बुध और जी के पुत्र तारा सिंह, निरमल सिंह, पुत्र बंता सिंह, पुत्र भगवत सिंह बुध और जी. ए. (1) मधुरा सिंह, (2) सोहन सिंह, (3) जोगिन्द्र सिंह (4) रंजित सिंह, पुरन सिंह और पुरन कौर, मनजीत सिंह, जसविन्द सिंह नसीब कौर, श्रीमती करतारी, सुरजीत सिंह बुध और जी. ए. (1) गुरमीत सिंह (2) बहादुर सिंह बंगा सिंह बुध और जी. ए. स्वरनसिंह, वासी बानावाल तहसील जिला कपुरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजम सिंह, चरण सिंह वासी काजली तहसील और जिला कपुरथला नागेन्द्रकुमार, जोगिन्द्र कुमार पुत्र रखा राम वासी कपुरथला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसिंह

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 2490, दिनांक नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपुरथला ने लिखा है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 30 जून 1981

विषय: सं. ए. पी. 2688—युक्त मुक्त, आर. गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री बीना नाथ, वासी माल रोड फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

(2) श्री जी. बी. पंछी (वकील) और श्रीमती मोहन
रानी, वासी फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 6116, दिनांक
जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने
लिखा है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30-6-1981

निकषे नं. ए. पी. नं. 2686—यतः मुझे, आर गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपुरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपुरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री बलवीर सिंह पुत्र बंता सिंह बुध और जी. ए. (1) श्री तारा सिंह, निरमल सिंह, पुत्र बंता सिंह, मोहन सिंह पुत्र भगत सिंह बुध और जी. ए. (1) मधुरा सिंह (2) सोहन सिंह, (3) जोगिन्द्र सिंह, (4) रमेश सिंह, पुरन सिंह, और पुरन कौर, मनजीत सिंह, जसविन्द सिंह, श्रीमती बसीब कौर, श्रीमती करतारी, सुरजीत सिंह, बुध और जे. ए. (1) गुरमीत सिंह, (2) बहादुर सिंह, बंगा सिंह बुध और जे. ए., सवरन सिंह, वासी, खानोवाल, तहसील और जिला, कपुरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र कुमार पुत्र प्रकाश चंद वासी कपुरथला और साधु सिंह पुत्र आतया सिंह वासी विधि पुत्र तहसील और जिला कपुरथला।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 2512 दिनांक विसम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपुरथला ने लिखा है।

आर. गिरधर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 30-6-1981
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 मई 1981

निर्देश सं. नि. स. आ./अर्जन/176/81—यतः मुझे,
ए. एम. खेर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. क्रम सं. 54 (भाग) और क्रम सं. 71 (भाग)
है जो बभिराबाद, तांदेड में स्थित है) और उसके उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
का कार्यालय नंदेड (डाकमैट सं. 2734/80 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन,
1-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) दि. बांबे डाईंग मैनिफैक्चरिंग कंपनी, बिला
हाउस हरगंडिया मार्ग बलाड ईस्ट, मूबई-38 ।
(अन्तरक)

(2) मंसर्स बालाजी ट्रेडिंग कंपनी, बभिराबाद नंदेड
द्वारा बाहेती अंड कंपनी, बैंक आफ बरोडा के पास
बभिराबाद, नंदेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड भी आरंभ —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

S. No. 54 (Part) & S. No. 71 (Part) Vicirubud, Nanded
open land 37 acres 38 gunthas bounded on North by
Mahudir Co. Mg. Society South by S. No. 56 Part—by S.
No. 56—West—by S. No. 76, Part.

ए. एम. खेर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नागपुर

तारीख : 27-5-1981

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

प्राथमिक परीक्षा, 1982

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं० एक० 11/3/81-प० I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 22 अगस्त 1981 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित प्रस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगस्तसा, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कच्छीगढ़, कोचीन कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर और त्रिचूरम तथा विशेष स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 7 फरवरी 1982 में एक प्रतियोगिता परीक्षा की जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर प्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (अनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए।)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबंध रिक्रितियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

- (I) भारतीय विदेश सेवा (ख) :—
(प्राथमिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II) 14 (अ० आ० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० ज० आ० के उम्मीदवारों के लिए 1)
- (II) रेलवे बोर्ड सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा— के उम्मीदवारों के लिए
ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु) 1 भारतीय रिक्रितियों सम्मिलित हैं।)
- (III) केन्द्रीय सचिवालय प्राथमिक सेवा—
ग्रेड-ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)
- (IV) सशस्त्र सेना मुख्यालय प्राथमिक सेवा—
ग्रेड-ग 8 (अ० आ० के उम्मीदवारों के लिए 5 और अ० ज० आ० के उम्मीदवारों के लिए 3 भारतीय रिक्रितियों सम्मिलित हैं।)
- (V) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में प्राथमिकों के पद और भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राथमिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय प्राथमिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय प्राथमिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

*रिक्रितियाँ सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं।

उपर्युक्त रिक्रितियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से एक या इससे अधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन भेज सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश करना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 7 में उल्लिखित शूलक भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए प्रलग-प्रलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी प्राथमिक की ही आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के प्राथमिक परीक्षा VI के आधार पर आयोग द्वारा अनुसूचित किया जाता है (द्रष्टव्य : नियमावली के परिशिष्ट I का पैरा 4)।

4. उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है? उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भाँति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निदिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउण्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की वह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र प्राथमिक परीक्षा 1982 के लिए निर्धारित भूजित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। प्राथमिक परीक्षा 1982 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से हतर प्रश्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को 19 अक्टूबर, 1981 (19 अक्टूबर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग अंशमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 2 नवम्बर, 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर भ्रमर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग अंशमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों

से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 अक्टूबर 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य में लक्षात् प्रमाण संख्यायें और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेश में रह रहा था।

टिप्पणी (i)—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम दर्शाते असम, मेघालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लक्षात् प्रमाण आदि स्पष्ट रूप से निदिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii)—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउण्टर पर जमा कराएँ अन्यथा रजिस्टर्ड शक द्वारा भेजे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग का रु० 12.00 (बारह रुपए) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 3.00 (तीन रुपए)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान कार्यालय शक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के अन्तर्गत, राजपूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगातार भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह भेजना पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदन या तो 1 जनवरी 1964 से और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में अतःपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) से भारत आया हुआ नास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से नास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है या बाने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है :—

"भूतपूर्व सैनिक" का अर्थिप्रायः उस व्यक्ति से है जिसने संघ की सशस्त्र सेनाओं (संघ की नौसेना थल सेना या वायु सेना) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सशस्त्र सेना सम्मिलित है तथा आसाम राक्षस सेवा रक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और काश्मीर-मनेशिया लोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रक (सकाफू या गैर-सकाफू) में आपथ ग्रहण के बाद 19 अक्टूबर 1981 को कम से कम छह मास की अवधि तक लगातार सेवा कर ली है, और

(1) जो क्वाथार या अक्षमता के कारण अर्थात् या सेवा मुक्त होने या इस कारण निवृत्त होने तक रिजर्व में स्थानांतरित होने में निवृत्त हुआ है, अथवा

(2) जिसे निवृत्त होने तक या रिजर्व में स्थानांतरित होने का हकदार बनने के आवश्यक सेवावधि पूरी करने हेतु 19 अक्टूबर 1981 को 6 मास से कम सेवा करनी है।

9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किंतु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 3.00 (तीन रुपए) [अनुसूचित जातियों और जन जातियों के मामले में रु० 1.00 (एक रुपया) की राशि वापस कर दी जाएगी]।

उपयुक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी दावे की स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या के चयन लिए धारित रखा जा सकेगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1982 में की गई प्राथमिक परीक्षा में बैठता हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अथवा भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1981 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुसूचित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1982 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 7 जनवरी 1982 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

11. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट में उल्लिखित परीक्षा योजना में निदिष्ट किया गया था सामान्य श्रेणी व सामान्य शान के प्रश्न पत्रों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी व्योरे के लिए रूपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के अनुबंध II का अवलोकन करें।

नियम शा, संयुक्त सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध-I

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित बातों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

जो उम्मीदवार किसी विदेश सेवा स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उससे प्राथमिक परीक्षण के लिए अपने ही क्षेत्र पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहाँ इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबंध उपलब्ध हो।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबंध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किंतु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निदिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा अधिनियम बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड शक से अथवा भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 7 जनवरी 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती काटें अपने हाथ से ही त्याही से या बाल प्वाइंट पेन से भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

नोट :—उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए जिसमें वे निबन्ध के प्रश्न-पत्रों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा आशुलिपिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अस्तिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर तथा आशुलिपिक का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय प्रश्नों के अंतर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी प्रश्नों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो आवेदन-पत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय प्रश्नों के अंतर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां भ्रष्ट या भ्रामक होंगी तो उनके निबंधन में होने वाले भ्रम तथा संविधता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र प्रावि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में वेर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को प्राप्ति तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैयक्तिक कारणों से इतर स्थायी या अस्थायी हैलियस से या कार्य प्रभावित कर्मचारियों की हैलियस से काम कर रहे हों या वे लोकउद्यमों में सेवारत हों उन्हें यह परिचयन (अंशरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख प्रत्येक भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्रांडर या बैंक ड्राफ्ट प्रत्येक शुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्र की प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 8)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) वैयक्तिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के कोटी की दो एक जैसी प्रतियां जिनमें से एक प्रति आवेदन पत्र पर चिपकी हो और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्र पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो।

(v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 5 (ख)]।

(vii) उपस्थिति पत्र (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न विधिवत भरा हुआ)।

(viii) बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे (लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी०) के जिन पर अपना पता लिखा हो।

नोट (i)—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपयुक्त मध्य (ii),

(iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो प्रत्येक उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आशुलिपिक परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरंत बाद उपयुक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1982 के मई मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वे उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

नोट (ii)—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

मध्य (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मध्य (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 8 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ग्रांडर :—

प्रत्येक पोस्टल ग्रांडर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर :—“सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल ग्रांडर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल ग्रांडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल ग्रांडरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाक घर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल ग्रांडर न तो रेखांकित किए गए हों और न सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जमराज डाक घर पर देय किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर निचे पर प्राना नाम तथा पत्ता लिखना चाहिए। पोस्टल ऑर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ऑर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पत्ता लिखें।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुमति मैट्रिकुलेंटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के नमूनिष्ठ प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त अन्य संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उप संस्थान के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के प्राध्यापक रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में अथवा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (1)—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी (2)—उम्मीदवार यह ध्यान दे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद में या किन्हीं परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी (4)—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल

(iii) श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पाण्डिचेरी का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से परा 3 (iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रमाण पत्र लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भजना चाहिए और इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

टिप्पणी (5)—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थाई सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और वैश्विक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विषय प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट 1 :—जो उम्मीदवार किसी एसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और वह एसी ग्रहक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट 2 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो उसे उस प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एस० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भजनी चाहिए।

नोट 3 :—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल (iii) श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पाण्डिचेरी का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्नीक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हैडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र अवश्य भजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म [दृश्य : पैरा 3(ii) का नोट 4 और उपर्युक्त नोट (3)]।

प्रमाणित किया जाता है—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी*

मुमुक्षु/मुमुक्षी* श्री _____ कक्षा में जो कि हायर सेकेंडरी इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पाण्डिचेरी के हायर सेकेंडरी पाठ्यक्रम* दिल्ली पालीटेक्नीक तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम की उपांतिम कक्षा है उत्तीर्ण है।

* (i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी—
के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ
राज्य क्षेत्र*—का विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से नियुक्त
प्राथमिक के पद पर कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1982 को
प्राथमिक/क्लर्क/स्टेनो टाइपिस्ट/रि० डा० से० सार्टर की हसियत से उनकी
सगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/सि कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य
कर रहे हैं/करते रहेंगे।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा आयोग
द्वारा आयोजित परीक्षा के परिणामों के आधार पर के० स० प्रा० से०/
रे० बी० स० प्रा० से०/आई० एफ० एस० बी० प्राथमिक उप संघ/सहायक
सेवा मुख्यालय प्राथमिक सेवा* में नियुक्त नहीं हुए हैं।

* (ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ
का विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से क्लर्क/
स्टेनोटाईपिस्ट/रिल-डाक सेवा के सार्टर/प्राथमिक के पद पर लगातार कार्य
कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1982 को क्लर्क/स्टेनो टाइपिस्ट/रिलवे डाक
सेवा के सार्टर/प्राथमिक की हसियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष
की हो गई है/सि कम नहीं होगी। और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते
रहेंगे।

दिनांक	हस्ताक्षर
संख्या	पदनाम
स्थान	मंत्रालय/कार्यालय

कार्यालय की मुहर

*जो लागू न हो उसे काट दें।

(क) (i) नियम 6(ग) (ii) या 6(ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित
प्रायु सीमा में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन
शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला
देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी
एक से लिए गए प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत
करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से आया
हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और
25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया
है :-

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों
में स्थित राहत किरियों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर
रहा है।
- (3) अपने अपने बिजों में सरणार्थी पुनर्वास के प्रचारी अतिरिक्त
जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रचारित सब डिजीजन का सब डिजीजन अफसर।
- (5) उप सरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/विशेषक (पुनर्वास)
कलकत्ता।

(ii) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित
प्रायु में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में
छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले
मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय
से लिए गए इस घाजय के प्रमाणपत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए
कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका
समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है
या भारत आने वाला है।

(iii) नियम 6(ग) (vi) अथवा नियम 6(ग) (vii) के अन्तर्गत
प्रायु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य,
तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार
को या जाम्बिया, मलावी, डीरे, और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत
शुल्क उम्मीदवार को उस क्षेत्र के बिना मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय

निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित
प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में
उपयुक्त देशों से आया है।

(iv) नियम 6(ग) (viii) अथवा 6(ग) (ix) के अन्तर्गत निर्धारित
प्रायु सीमा में और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क
में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय
राजदूतावास, रंगून द्वारा लिए गए पहिचान प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/
प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह
एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत
आया है अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से
लिए गए प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने
के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्या-
वर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6(ग) (x) अथवा 6(ग) (xi) के अन्तर्गत प्रायु
सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य
करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से
निम्नलिखित निर्धारित कार्य पर इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर
उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि
यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा
अघातिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परि-
णामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण पत्र का काम

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

के रैंक नं०—
—रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ
संघर्ष में/अघातिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और
उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पदनाम
दिनांक

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग) (xii) अथवा 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत प्रायु सीमा
में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा बल में कार्य करते
हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक सीमा रक्षा बल गृह मंत्रालय से नीचे
निर्धारित कार्य पर लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित
प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा
बल में कार्य करते हुए 1971 में भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग
हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण पत्र का काम

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

की—सीमा सुरक्षा बल में कार्य
करते हुए सन 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग
हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

(vii) नियम 6(ग) (xiv) अथवा नियम 6(ग) (xv) के अन्तर्गत प्रायु
में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति
को फिलहाल जिसे क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए
गए प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत
करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित
व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया
है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ब), (i) और (iv) में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सचिव या राज्य विधान मंडल के सचिव से, यह विचलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आग्रह का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उक्त नोटिस के पैरा 8 के अंतर्गत शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वायु सेवा/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप दिए गए सेवा मुक्ति प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए। इस प्रमाणपत्र में उसकी सशस्त्र सेना में सम्मिलित होने की वास्तविक तारीख, तथा सेना से निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की सम्भावित तारीख अवश्य लिखी हो।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें भ्रम या किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई केवल करें, और न ही केवल किए गए झूठे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमूल्य तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र (विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्र सहित) की पावसी दी जाती है तथा आवेदन पत्र को प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावसी नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावसी हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया गया है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है तथा आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संध लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की विभिन्न प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स बिल्डी-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उसे (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्बोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, बाबा बडकसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया बुक डिपो,

3 को० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 में भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिवल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संध लोक सेवा आयोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

14. आवेदन पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार, आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110001 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें :—(i) जिन पत्रों में यह ब्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान :—(ii) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/विषय परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है इस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

15. पत्र में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उनको बदले हुए पत्र पर मिला जायें। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उप-युक्त पैरा 14 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र की जानी चाहिए आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबंध-II

उम्मीदवारों को सूचनाएं विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप

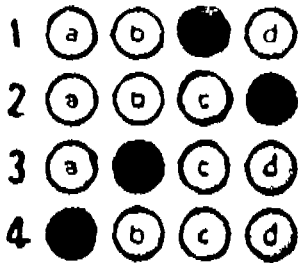
प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम से प्रश्नांक होंगे। हर प्रश्नांक के नीचे ए, बी, सी, डी चिह्नों के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें, तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांक देखें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांक के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपको प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्र (जिसकी एक नक़्का प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा।

आपको अपने प्रश्नोत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नों की संख्याएं 1 से 160 तक बार-बार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले चूल्हाकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रश्नोत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रश्नोत्तर के अक्षर वाले चूल्हा को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर वक्ता के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के चूल्हा को काला बनाने के लिए स्पष्टी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :—

1. प्रश्नों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किम की एच० बी० पेंसिल (पेंसिल) ही लाएं और उनकी का प्रयोग करें।
2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे यह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविग्रह है, तो उस प्रश्नांक के प्रश्नोत्तर के लिए आपको कोई नंबर न मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पैमिन शार्पेनर और नीली या काली स्पष्टी वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह भी जाती है कि आप अपने

साथ एक-एक विषय बोर्ड या कार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें

(ङ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अथवा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा गुणवत्ता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रश्नोत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नों (प्रश्न)

(नोट :—*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. (सामान्य अध्ययन)

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्राव होता है ?

(a) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से कम होता है।

* (b) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से अधिक होता है।

(c) रक्त वाहिकाओं की अन्वस्त्री तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।

(d) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. (कृषि)

भरहर में, फलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

* (a) बुद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव

(b) दूर-दूर पीछे लगाना

(c) सही ऋतु में पीछे लगाना

(d) बोड़े-बोड़े फासों पर पीछे लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

H_3VO_4 का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO_3
(b) VO_4
(c) V_2O_3
*(d) V_2O_5

4. धर्मशास्त्र

धर्म का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- *(a) सीमान्त राजस्व उपाय से मजदूरी कम हो।
(b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद न दोनों बराबर हों।
(c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
(d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

5. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समक्ष रेखा अभिमुख परावैद्युतांक 9 के पैराबैलुस्त से सम्पूरित किया गया है। यदि सी मुक्त अन्तराल में संघरण वेग दर्शाता है तो साइन में संघरण का वेग क्या होगा ?

- (a) $3C$
(b) C
*(c) $C/3$
(d) $C/9$

6. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है ?

- (a) आसिगोक्लेज
*(b) सैबोडोराइट
(c) एल्बाइट
(d) एनार्थट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$ समीकरण

को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) $y = ax + b$
(b) $y = ax$
(c) $y = ae^x + be^{-x}$
*(d) $y + ae^x = a$

8. (भौतिकी)

एक धावशी ऊष्मा इंजन 400°K और 300°K तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) $3/4$
*(b) $(4-3)/4$
(c) $4/(3+4)$
(d) $3/(3+4)$

9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपक्ष विचलन का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a) 42
*(b) 3
(c) ∞
(d) -5

10. (भूगोल)

बर्मा के वक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहाँ पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
*(b) बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
(c) यहाँ श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
(d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
(b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण धर्म था।
*(c) ब्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, बलि संबंधी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
(d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समूह कौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
(b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
(c) अद्वैत, वैदान्त, सांख्य, चार्वाक योग
*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनैतिक विज्ञान)

'वृत्तितगत प्रतिनिधित्व' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- *(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
(c) किसी राजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
(d) श्रमिक संघों द्वारा अग्रस्थान प्रतिनिधित्व।

14. (संनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
*(b) साक्षात्कार अवस्था में स्थानांतरण
(c) व्यावहारिक अधिगम
(d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है ?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
(b) छुड़ाछूत कम हुई है।
(c) बंशित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
(d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st July 1981

No. F.6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri A. S. V. Raghavan, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from August 1, 1981 until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has permitted Shri Ved Prakash Sharma to continue to officiate as Assistant Registrar until further orders, *vice* Shri M. K. Rao, Assistant Registrar (Retired).

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has also permitted Shri T. Bhattacharya to continue to officiate as Assistant Registrar with effect from August 1, 1981, until further orders against a newly created post of Assistant Registrar.

IV. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri S. Ghosh, Section Officer to the post of Assistant Registrar with effect from August 1, 1981, until further orders *vice* Shri S. S. Srivastava, Officiating Assistant Registrar (on deputation).

V. The Hon'ble the Chief Justice of India has also permitted Shri Gulshan Rai Sharma to continue to officiate as Section Officer with effect from August 1, 1981, until further orders against a newly created post of Section Officer.

R. SUBBA RAO
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th July 1981

No. A.32015/1/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even No. dated 24-4-81, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on *ad-hoc* basis as Junior Research Officer in the Commission's office for a further period of 3 months w.e.f. 6-7-81, or until further orders, whichever is earlier *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave.

P. S. RANA
Section Officer
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th June 1981

No. A-11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier :—

S. No., Name and Period

S/Shri

1. S. K. Arora—19-8-1981 until further orders.
2. I. J. Sharma—21-6-81 to 18-8-81.

2. On their appointment as Desk Officers, the above Officers shall draw special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P.&A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

The 30th June 1981

No. A.31014/2/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Officers, officiating in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the U.P.S.C. and included in the Select list of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the U.P.S.C. with effect from the date specified against each :—

S. No., Name, Date of Confirmation and Remarks

S/Shri

1. S. D. Sharma—1-4-1980, Working as Desk Officer in UPSC.
2. P. D. Srivastava—1-12-1980, Working as Desk Officer in UPSC.

3. K. Kochugovindan—1-2-1981, Working as Desk Officer in UPSC.

4. K. L. Katyal—19-2-1981, Working as Accounts Officer in UPSC.

No. A.32014/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on *ad-hoc* basis as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No., Name and Period for which promoted as
Section Officer

S/Shri

1. R. P. Sharma—1-12-80 to 30-4-81.
2. S. D. S. Minhas—1-12-80 to 28-2-81.
3. J. L. Sud—1-12-80 to 30-4-81.
4. G. P. Bhatta—1-12-80 to 30-4-81.
5. O. P. Kathuria—1-12-80 to 30-4-81.
6. Rajinder Singh—1-12-80 to 30-4-81.
7. O. P. Kautia—1-12-80 to 30-4-81.
8. S. N. Pandit—1-12-80 to 30-4-81.
9. M. S. Asnani—1-12-80 to 30-4-81.
10. Krishan Lal I—1-12-80 to 30-4-81.
11. Remal Dass—1-12-80 to 30-4-81.
12. K. M. I. Yusuf—1-1-81 to 30-4-81.
13. Bisheswar Prasad—1-1-81 to 30-4-81.
14. G. K. Pillai—1-1-81 to 30-4-81.
15. H. S. Bedi—1-1-81 to 30-4-81.
16. M. K. Choudhury—1-1-81 to 30-4-81.
17. K. S. Palachandran—1-1-81 to 31-8-81.
18. Ravinder Monga—1-1-81 to 31-8-81.
19. Km. Saroj—1-1-81 to 31-8-81.
20. Shradha Nand—1-1-81 to 31-8-81.
21. L. N. Ganjoo—2-12-80 to 31-1-81.
22. Krishan Lal II—23-11-80 to 28-2-81.
23. N. P. S. Gujral—9-9-80 to 28-2-81.
24. P. S. Bhatnagar—15-9-80 to 31-8-81.
25. D. S. Pahwa—1-10-80 to 28-2-81.
26. Chhajju Ram (SC)—10-10-80 to 30-4-81.
27. N. P. S. Rawat—21-10-80 to 31-8-81.
28. Vijay Bhalla—3-11-80 to 31-8-81.
29. O. C. Nag—17-12-80 to 31-8-81.
30. S. P. Nayar—24-12-80 to 31-8-81.
31. P. P. Tiwari—17-2-81 to 31-3-81.
32. Mehar Singh—1-5-81 to 31-7-81.
33. C. L. Sharma—17-2-81 to 23-7-81.
34. Sudarshan Kumar—17-2-81 to 18-7-81.
35. V. P. Kapal—19-5-81 to 15-7-81.
36. M. M. Chopra—19-5-81 to 3-7-81.
37. R. K. Gaur—26-5-81 to 12-7-81.
38. K. G. Nair—26-5-81 to 2-7-81.

The 17th July 1981

No. A. 19014/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. J. Chacko, ITS, Divisional Engineer Telegraphs, M/W Survey Division, New Delhi-14 as under Secretary in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. the forenoon of 13th July, 1981 until further orders.

Y. R. GANDHI

Under Secretary (Admn.)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL,

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 6th July 1981

No. O. II-926/72-Estt.I.—The services of Shri Satinder Singh Dy. S. P., Directorate General, C.R.P. Force, are placed at the

disposal of Government of Punjab, on deputation basis, w.e.f. the afternoon of 29-5-1981.

Pundhir, General Duty Officer Grade, II of 5th Bn C.R.P. Force with effect from the afternoon of 22nd June, 1981.

The 7th July 1981

No. F. 8/3/81-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Yakash Kumar Singh

The 21st July 1981

No. F. 2/15/81-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and date of taking over charge as Commandants are indicated against each:—

Sl. No.	Name of the Officer	From	To	Date of taking over charge as Commandant.
1.	Shri R. C. Puri	Dte. Genl	27th Bn	23-3-1981
2.	" M. L. Sharma	2nd Bn	40th Bn	22-3-1981
3.	" K. Kesavan	13th Bn	13th Bn	1-4-1981
4.	" T. S. Yadav	4th Bn	8th Bn	24-3-1981
5.	" Jagbir Singh	37th Bn	21st Bn	21-3-1981
6.	" Mohar Singh	58th Bn	62nd Bn	21-3-1981
				(AN)
7.	" R. S. Vohra	GC GTY	GC GTY	21-3-1981
8.	" S. A. Khan	GC GTY	65th Bn	21-3-1981
9.	" H. S. Sandhu	41st Bn	1st Bn	20-4-1981
				(AN)
10.	" Ami Lal Yadav	27th Bn	9th Bn	21-3-1981
11.	" N. Ramchandran	22nd Bn	22nd Bn	21-3-1981
12.	" Swaran Singh	Dte.	64th Bn	23-3-1981
13.	" P. J. Shetty	Dte.	68th Bn	23-3-1981
14.	" B. R. Sharma	19th Bn	3rd Bn	12-4-1981
15.	" M. P. Chitnis	8th Bn	52nd Bn	5-4-1981
				(AN)
16.	" G. S. Sidhu	36th Bn	36th Bn	28-3-1981
17.	" R. S. Jaspal	30th Bn	34th Bn	30-3-1981
18.	" R. B. Pathak	GC BBSR	18th Bn	21-3-1981
				(AN)
19.	" S. R. Yadav	18th Bn	46th Bn	23-3-1981
				(AN)
20.	" R. K. Singh	14th Bn	10th Bn	10-4-1981
				(AN)
21.	" K. D. S. Dullat	S/III	29th Bn	14-4-1981
22.	" J. B. S. Bains	53rd Bn	25th Bn	20-4-1981
				(AN)
23.	" A. M. Tewari	Dte.	49th Bn	23-5-1981
24.	" Dhoom Singh	2nd Bn	60th Bn	11-5-1981
25.	" S. A. Mishra	GC MKG	30th Bn	3-6-1981

The 27th July 1981

No. O.II-33/76-Estt(CRPF).—Consequent on his repatriation to parent state i.e. Karnataka, Shri N. S. Vasudevan, I.P.S. relinquished charge of the post of DIGP, CRPF Madras on the afternoon of 11-7-81.

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as General Duty Officer Grade. II in the C.R.P. Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 9-7-1981, for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1590/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. C. R. Singh Chouhan as General Duty, Officer Grade-II (Dy. I. P./Cov. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th July, 1981 subject to his being medically fit.

The 28th July 1981

No. O.II-1089/73-Estt.I.—The President is pleased to allow Shri S. Manzoor Uddin, Dy. S. P. in the CRPF to retire voluntarily from service under the scheme of voluntary retirement for central Govt. employees contained in the MHA (DP&AR) O. M. No. 25013/7/77/Estt(A) dated 26-8-77.

2. Shri Manzoor Uddin relinquished charge of the post of Dy. S. P. Group Centre, (Gandhinagar), CRPF on 6-3-81 (FN).

A. K. SURI
Asstt. Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 27th July 1981

No. E-16014(1)/6/74-PERS.—On his repatriation to State Cadre Shri A. T. Thiruvengadam, IPS (MT: 69) relinquished the charge of the post of AIG (SZ), CISE, Madras with effect from the forenoon of 22nd June, 1981.

No. E-32015(1)/3/78-PERS.—On expiry of term of his re-employment on which date he also attained the age of 58 years, Shri V. Krishnappa relinquished the charge of the post of Commandant, CISE Unit, V.P.T. Visakhapatnam with effect from the forenoon of 6th June, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri B. N. Bhardwaj assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISE Unit, BCCL, Jharia with effect from the forenoon of 20th June, 1981.

The 28th July 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri R. C. SAMANTRAY assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, D.S.P. Durgapur with effect from the forenoon of 6th July 1981.

SURENDRA NATH,
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 31st July 1981

No. 11/10/78-Ad.I.—On his repatriation to the Government of Manipur *vide* this office order of even number dated 22-6-1981, Shri L. Peshot Singh, an officer belonging to the Manipur Civil Service, relinquished charge of the office of the Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, with effect from the forenoon of the 1st July, 1981.

No. 10/15/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri N. Rama Rao, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 13th July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Rama Rao will be at New Delhi.

No. 11/30/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri K. S. Lyngdoh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 3rd July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Lyngdoh will be at Shillong.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations, (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed

at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

The 1st August 1981

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to extend the period of *ad-hoc* appointment of the under-mentioned Console Operators in the Office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office upto December 31, 1981 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, on the existing terms and conditions:

S. No.	Name	Headquarters	No. and date of previous Notification
1.	Shri R. L. Puri	New Delhi	RG's Notification No. 6/1/74-RG (Ad. I) dated 20-9-1980
2.	Shri A. P. Gupta	Do.	RG's Notification No. 10/4/80-Ad. I dated 15-5-1980.
3.	Shri Satya Prakash	Do.	Do.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

COMMERCE WORKS & MISC

New Delhi, the 30th July 1981

No. Admn I/8(27)/II/974.—The Comptroller and Auditor General of India, has with the concurrence of the Ministry of Finance, sanctioned the permanent absorption of Shri N. K. Verma, Audit Officer in the Bharat Heavy Electricals Limited with effect from 1-12-1978. He is deemed to have retired from Govt. service w.e.f. the date of his absorption in the B.H.E.L. as per Rule 37 of the CCS (Pension) Rules, 1972.

M. S. SHARMA,
Director of Audit.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

RAJASTHAN

Jaipur, the 25th July 1981

No. Admn.II/804.—The Accountant General is pleased to promote Shri Ramji Lal Khandelwal, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 18-7-81 (FN) until further orders.

Sd. ILLEGIBLE
SR. DY. ACCOUNTANT GENERAL
(Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS & TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 30th July 1981

O.O. No. Admn. III-176 23(A) (L) Notifications.—The Director of Audit Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiat-

ing Audit Officers and to post them in the P&T Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on *ad-hoc* basis and are subject to revision.

Sl. No.	Name	P&T Br. A.O. to which belong as S.O.	P&T Br. A. O. to which posted	Date of promotion as A.O.
1	2	3	4	5
	S/Shrl			
1.	Prabhakar Moroney	Nagpur	Bombay	30-3-81 (F.N.)
2.	Priti Kumar Chatterjee	S.W.T.C. Cal.	Cuttack	30-4-81 (F.N.)
3.	Varindar Singh Sikand	Kapurthala	Lucknow	8-5-81 (F.N.)
4.	P. R. R. Govindarajule	Hyderabad	Ahmedabad	13-5-81 (F.N.)
5.	Shib Chandra Roy	S.W.T.C. Cal.	Patna	21-5-81 (F.N.)
6.	Ramesh Chandra Roy	S.W.T.C. Cal.	Lucknow	28-5-81 (F.N.)
7.	Prasanta Kumar Das Gupta	S.W.T.C. Cal.	Lucknow	28-5-81 (F.N.)

T. K. SANYAL
Dy. Director of Audit (HQ)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,

SOUTHERN RAILWAY

Madras, the 1st August 1981

No. AIPC/SR/477.—Sri S. Raghunathan II, a permanent member of the SRAS cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras is promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officer in the scale Rs. 840-1200 with effect from 22-4-81 until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

C. S. MENON
Director of Audit.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 30th July 1981

No. 28/G/81.—The president is pleased to accept the Resignation of Shri S. S. R. Zaidi, Offg. Deputy Manager (Permt. Asstt. Manager) with effect from 30-6-81 (AN).

V. K. MFHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSION

Bombay-20, the 21st July 1981

No. EST.I-37(9)/2328.—The President is pleased to appoint with effect from the 9th June, 1981, and until further orders, Shri K. V. Natarajan, an ad-hoc Deputy Director (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as a regular Deputy Director (Non-Technical) in the same office.

No. EST.I-37(9)/2335.—The President is pleased to appoint with effect from the 9th June, 1981, and until further orders, Shri C. R. Neelakantan, an ad-hoc Deputy Director (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as a regular Deputy Director (Non-Technical) in the same office.

R. K. TAKKAR
Textile Commissioner

Bombay-20, the 16th July 1981

No. EST.I-37(3)/2278-83.—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the 6th June, 1981, and until further orders, Shri K. H. Bhatia, a regular Superintendent and ad-hoc Assistant Director, Grade II (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner as regular Assistant Director, Grade II (Non-Technical) in the same office.

T. RAMACHANDRA PAO
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSION

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 29th July 1981

No. 12(632)/69-Admn.(G).—Consequent upon his deputation on foreign assignment (Short-term) as Consultant in Sierra Leone under U.N.D.P. Shri O. C. Richards, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 4th May, 1981.

2. On return from foreign assignment under U.N.D.P., Shri O. C. Richards, assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the forenoon of 22nd June, 1981.

C. C. ROY,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE

OILS & FATS

New Delhi-110019, the 28th July 1981

No. PF/31/81-Estt.—Shri K. G. Rao, presently working as Inspector (Vanaspatti) on ad hoc basis, is hereby appointed as Inspector (Vanaspatti) in the Directorate of Vanaspatti, Vegetable Oils & Fats, Ministry of Civil Supplies in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis with effect from the forenoon of 20th April, 1981 until further orders.

P. S. CHEEMA,
Chief Director

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND

DISPOSALS

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 4th July 1981

No. A-6/247(361).—Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta has been compulsorily retired from Government Service with effect from the afternoon of 4th May, 1981.

[This supersedes DGS&D Notification No. A-6/247(361), dated 17-7-1981].

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 28th July 1981

No. 4303B/A-19012(1-KSR)/80-19A.—Shri Kamal Singh Raghav is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd June, 1981, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st July 1981

No. A-19011(270)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Hari Singh Sheoran to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-9-80.

S. V. ALI,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd July 1981

No. 15/182/62-SIII(Pt).—On attaining the age of superannuation Shri Gulam Mohiuddin, Asstt. Engineer, Door-darshan Kendra, Srinagar has retired from Service w.e.f. the afternoon of 31st May, 1981.

H. N. BISWAS
Dy. Director of Admn.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(DRUGS SECTION)

New Delhi, the 14th July 1981

No. A.12025/8/80-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. Rama Krishna to the post of Technical Officer in the office of Asstt. Drugs Controller (India), New Customs House, Bombay on a purely temporary basis with effect from the 6th May, 1981 (F.N.) and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 27th July 1981

No. A.32014/5/81(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. M. A. Chaukar to the post of Chief, Vocational Guidance Department, All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation, Bombay, in a substantive capacity with effect from the 18th April, 1980.

The 28th July 1981

No. A.12025/2/80-Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Arunava Mazumder, Assistant Professor of Sanitary Engineering (Design) at the All India Institute of Hyg. & Public Health, Calcutta with effect from the 11th June, 1981 (afternoon).

No. A.12026/33/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Srivastava to the post of Senior Physiotherapist at Saidarjang Hospital, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1981 and until further orders.

The 1st August 1981

No. A.12025/25/80(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. F. U. Khan to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Malaria Eradication Programme in a temporary capacity with effect from 19th June, 1981 (Forenoon) and until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 28th July 1981

No. A.19018/3/81/CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. V. Prabhakaran Chettiar officiating on ad hoc basis to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 31-1-1981.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 28th July 1981

No. A.19025/121/78-A.III.—Shri Durga Prasad, Assistant Marketing Officer (under suspension) has been dismissed

from service in accordance with the C.C.S. (Classification, Control and Appeal) Rules 1965 with effect from 4-7-1981 (F.N.).

The 29th July 1981

No. A.39013/1/79-A.III.—The resignation tendered by Shri C. B. Singh from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 6-10-1980 (A.N.).

The 1st August 1981

No. A.19023/8/81-A.III.—On return from Deputation with S.T.C., Shri A. Raghava Rao, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) under this Directorate at Tirupur with effect from 6-7-81 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR,
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL, DIVISION

Bombay-400085, the 24th July 1981

No. PA/79(4)/80-R.III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri J. V. Naik, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this research centre on an ad hoc basis for the period from 8-6-1981 to 18-7-1981 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE
OF PURCHASE & STORES MADRAS REGIONAL
PURCHASE UNITS

Madras-600006, the 17th July 1981

No. MRPU/200(9)/81-Adm.—In continuation of this Office Notification of even No. dated 4-5-1981, the officiating appointment of Shri N. Rajagopalan, a Permanent Purchase Assistant as Assistant Purchase Officer on ad hoc basis has been extended upto May 30, 1981 afternoon.

No. MRPU/200(15)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri V. Sripatha Rao, a Permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from May 18, 1981 to June 20, 1981 (AN).

No. MRPU/200(27)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, appoints Shri C. N. Gopalan, a temporary purchase assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate, with effect from May 14, 1981 to June 15, 1981 afternoon.

No. MRPU/200(108)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, appoints Shri S. Kumaraswamy, a permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Heavy Water Plant Stores, Tuticorin of the same Directorate with effect from December 23, 1980 to January 21, 1981 A.N.

No. MRPU/200(144)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from May 11, 1981 to June 12, 1981 afternoon.

S RANGACHARY
Senior Purchase Officer

Bombay 400001, 21st July 1981

No. DPS/23/5/80-Est/15163.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the period from May 5, 1981 (FN) to June 9, 1981 (AN) vice Shri P. V. Prabhakaran, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

ORDER

Hyderabad-500762, the 19th/24th June 1981

No. Ref. NFC/PA.V/2606/1180/134.—WHEREAS Shri N. K. Sood, Scientific Assistant 'C', ZFP, NFC remained absent from duty unauthorisedly from 5-5-80 to 25-5-80 disregarding the oral instructions and subsequent telegram issued to him on 4-5-80;

AND WHEREAS the said Shri Sood remained absent from duty unauthorisedly from 29-5-80 onwards;

AND WHEREAS by his aforesaid action the said Shri Sood committed an act of misconduct in contravention to Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Sood was informed of the charge and action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/1180/1573 dated 1-8-80;

AND WHEREAS the said Shri Sood received the charge sheet dated 1-8-80 and submitted a written statement of his defence dt. 14-8-80 wherein he did not specifically admit or deny the article of charge;

AND WHEREAS the undersigned considered that an inquiry should be held to inquire into the charge framed against the said Shri Sood;

AND WHEREAS the Inquiry Officer was appointed on 20-11-80 vide order No. NFC/PA.V/2606/1180/3299 dated 20-11-80;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted the inquiry report dated 21-5-81 stating that the inquiry was concluded as the said Shri Sood admitted the charge;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case and after carefully going through the inquiry report dated 21-5-81 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri N. K. Sood;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79, hereby remove the said Shri N. K. Sood from service with immediate effect.

Sd. 19-6-81
N. KONDAL RAO
Chief Executive

Encl. : 1

Shri N. K. Sood—Thro' Manager, ZFP Shri N. K. Sood
Shri N. K. Sood S/o Kasturilal Sood
A-7/16, DAE Housing Colony, 6, Ramnagar,
Hyderabad-500 762 Sonapat

- cc : 1. Manager, Finance
2. APO-III (P.F. Copy)
3. APO-I
4. Manager, ZFP
5. DCSO, NFC
6. DCE (F)

Hyderabad-500762, 29th June 1981

ORDER

No. Ref. NFC/PA.V/2606/2120/1267.—WHEREAS Shri Ch. Laxman Swamy, 1/A, CFFP, NFC has been remaining absent from duty without permission from 6-2-80 onwards;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy by his aforesaid action committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Order;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was informed of the charge and action proposed to be taken against him, vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2120/1308 dated 5-7-80;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy received the charge sheet dated 5-7-80 on 12-7-80 but did not submit a written statement of his defence;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was issued with a letter dated 15-9-80 giving him an opportunity of submitting his representation on or before 30-9-80;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy received the letter dated 15-9-80 on 24-9-80 but did not submit a written statement of his defence in spite of the opportunity given to him;

AND WHEREAS the undersigned considered that an Inquiry Officer should be appointed to inquire into the charge framed against the said Shri Laxman Swamy;

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed on 5-1-81 vide order No. NFC/PA.V/2606/2120/88 dated 5-1-81.

AND WHEREAS the orders dated 5-1-81 appointing Inquiry Officer sent to the said Shri Laxman Swamy were returned undelivered by postal authorities with the remark "Addressee left seven days over returned to sender".

AND WHEREAS the Inquiry Officer in the proceedings dated 16-1-81 mentioned that the communications sent by him to the said Shri Laxman Swamy were returned undelivered and the inquiry proceedings were held ex-parte;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 16-1-81, came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Laxman Swamy;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was informed of the provisional conclusion as aforesaid, vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2120/1059 dated 22-5-81 and was given an opportunity of making his representation on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum dated 22.5.81;

AND WHEREAS the memorandum dated 22-5-81 sent by Registered post A. D. to the residential address at house No. 1-9-295/13/A/2, Vidyanagar, Hyderabad-500 044 was returned undelivered by postal authorities with the remark "party left";

AND WHEREAS the memorandum dated 22-5-81 sent by registered post A.D. to his permanent address viz. Ch. Laxman Swamy, S/o. Kotiah, Varni PO. Nizamabad Dt. A. P., was also returned undelivered by the authorities with the remark "seven days over returned to sender";

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy continued to remain absent from duty unauthorisedly from 6-2-80, onwards without keeping NFC informed of his whereabouts and voluntarily abandoning his service;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 16-1-81 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Ch. Laxman Swamy;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79

hereby removes the said Shri Ch. Laxman Swamy from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

Encl. : 1

Shri Ch. Laxman Swamy
H. No. 1-9-295/13/A/2
Vidy.nagar,
Hyderabad-500044

Sh. Ch. Laxman Swamy
S/o Shri Kotaiah
Varni P.O.
Nizamabad Dt. A.P.

- cc : 1. Manager Finance
2. APO-II (P.F. Copy)
3. APO-I
4. M nager, NUP
5. DCSO, NFC
6. DCE (F)

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd August 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ashok Kumar Padhi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 9, 1981 until further orders.

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. A. Gorikhan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 16, 1981 until further orders.

No. AMD-2/3004/80-Adm.—The resignation tendered by Shri A. K. Pani, from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from June 30, 1981 (A.N.).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st July 1981

No. E(1)05907.—Shri M. Kalyan, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, expired on 18th July, 1981.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th July 1981

No. A-35018/16/80-E.I.—The President is pleased to place the services of Shri S. K. Das, Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta, at the disposal of International Civil Aviation Organisation under Technical Assistance Programme for appointment as Aviation Electronics Instructor at Doha, Qatar, with effect from 21st May 1981 (AN) on foreign service deputation basis.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 27th July 1981

No. A.39012/3/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. Venu, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi from Govt. Service w.e.f. 30-5-81(AN).

The 28th July 1981

No. A.32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint the following two Assistant Directors of Communication, DGCA(HQ) to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six

months with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:

S. No.	Name	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri D. C. Mehta .	Radio Construction & Development Units, New Delhi	2-7-81 (AN)
2.	Shri P. Seth .	DGCA (HQ)	22-6-81 (FN)

PREM CHAND
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 28th July 1981

No. A.32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Sharma, Tech. Officer, in the office of the Regional Director Safdarjung Airport, New Delhi, to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 15-6-81 (FN) and to post him in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.

No. A.38013/1/81-EC.—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their officer on retirement on attaining the age of superannuation on 31-6-81(AN) at stations indicated against each:—

S. No., Name, Designation and Station of Posting

1. Shri C. G. Menockie, Asstt. Comm. Officer—Aero, Comm. Stn, Bombay.
2. Shri Simon. D. Silva, Asstt. Comm. Officer—Aero. Comm. Stn, Hyderabad.

The 30th July 1981

No. A.39012/2/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Gaur, Communication Officer, Aero. Comm. Stn, Bombay from Govt. service with effect from 4-7-81(AN).

The 31st July 1981

No. A.38013/1/81-EC.—Shri N. A. Joseph, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras relinquished charge of his office on 30-6-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd July 1981

No. 12/1/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints the following Officiating Deputy Traffic Manager as Deputy Traffic Managers, in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under column No. 3 :—

S. No.	Name	Date from which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive capacity
(1)	Shri D. S. Pendse	2-1-78
(2)	Shri D. B. Pathare	3-1-78
(3)	Shri N. K. Das	1-8-78
(4)	Shri Balkrishna Suri	1-1-79
(5)	Shri J. M. D' Silva	1-8-80

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd August 1981

No. 16/367/81-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Shiv Dhari Sonkar as Research Officer under the Forest Soil Laboratories, Forest Soils-cum-Vegetation Survey at its regional Centre, Jabalpur, w.e.f. the forenoon of 10th July, 1981, until further orders.

O. N. KAUL
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE
CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 20th June 1981

No. 5/81.—Shri A. JAYACHANDRAN, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 19-6-81 fore-noon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 17th July 1981

No. 10/81.—Shri T. RAJENDRAN, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Director Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 6-7-81 A.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs

Bombay-1, the 29th July 1981

No. St-2/80-81.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise Rules, 1944 the names and addresses, and other particulars specified in Sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944, and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:—

I—COURT CASES

Sl. No.	Name of the persons	Address.	The provisions of the Act contravened.	The amount of penalty imposed.
1	2	3	4	5

—NIL—

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Name of the persons	Address.	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed.	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7

1.	M/s. Ashish Gums (India)	20-21/B, Grikunj Industrial Estate, Mahakali caves Road, Andheri (East) Bombay-400 093.	The provisions of Section 6 of C. Ex. Act read with Rule 174, Rule 173F, Rule 173 G (i) R/W Rule 9(i), Rule 173G(2) R/W Rule 52A, Rule 173G(4) R/W Rule 53 & 226 of C. Ex. Rule 1944.	Rs. 19,000/- under Rule 173Q and Rule 9(2) of the C.Ex. Rules, 1944.	Rs. 17200/- Rs. 9100/- Rs. 26300/- (goods falling under T.I. 68) (goods allowed to be cleared on payment of duty)	Sized goods released on payment of duty.
----	--------------------------	---	---	--	---	--

K.S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise,
Bombay-I

Nagpur, the 29th July 1981

No. 9/81.—Shri V. H. Ghodkhande, Superintendent, Central Excise, Group 'B', Range Wardha of this Collectorate having attained age of superannuation has retired from Govt. service in the afternoon of the 30th June, 1981.

K. SANKARARAMAN
Collector

senior Professional Assistant (Stat), CWC to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Stat) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of 6 months w.e.f. 23-6-81 (F.N.) or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

K. L. BHANDULA
Under Secy.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 23rd July 1981

No. A.19012/1(3)/81-Estt.I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri M. L. Malla a permanent

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION
Pune-411024, the 29th July 1981

No. 602/19/81-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B)(Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri N. G. Dasgupta to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry) in the Cent-

ral Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

Shri N. G. Dasurkyaastha will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

The 31st July 1981

No. 602/8/81-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water and Power Research Station, Pune, hereby appoints the following officers to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st July, 1981.

- | | |
|----------------------------|---|
| 1. Shri B. C. Sekhara Rao. | Presently working as
ARO (Maths)
on ad-hoc basis. |
| 2. Shri K. G. K. Murthy. | |

The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) for a period of two years with effect from the forenoon of 31-7-1981.

M. R. GIDWANI
Administrative Officer
for Director.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 24th July 1981

No. 22/1/81-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following Officials, be-

longing to the grades mentioned against each, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service, with effect from the dates indicated against each, in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, until further orders:—
Name Grade to which—Date of taking.

S/Shri

1. Subash Sethi, Technical Assistant—26-6-81 (FN)
2. M. S. Kaushika, Technical Assistant—26-6-81 (FN)
3. S. A. Khan, Technical Assistant—13-7-81 (FN)
4. S. K. Aggarwal, Supervisor—22-6-81 (FN)

B. M. LALL
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bangalore, the 30th July 1981

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bangalore Cinematographic Industries Private Ltd.*

No. 2522/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bangalore Cinematographic Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 13th July 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli/Nov.'80/522/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

S. No. 1, Hissa No. 3A1 situated at Hadapsar, Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
S. R. Haveli on 29-11-1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Shri D. B. Harphale,
2. Shri B. F. Harphale,
At Fursungi, Tal. Haveli, Dist. Pune.
(Transferor)
- (2) Utkarshnagar Co-op. Housing Society Ltd.,
S. No. 1, Hissa No. 3A1,
Hadapsar, Pune-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1, Hissa No. 3A1, at Hadapsar, Dist.
Pune. Area 14375 sq. mts.
(Property as described in the sale-deed registered under
document No. 4486, dated 29-11-1980 in the office of
the Sub-Registrar, Haveli, Dist. Pune.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
POONA.

Date : 13-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory situated at Kannod, Distt. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannod on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Seth Swaroopchand Hukamchand and Omkarji Kasturchand, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gopalji and Mahendrakumar S/o Kapoorchandji, R/o Biyani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ginning Factory situated at Kannod.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 23-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACA/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. H. No. 22/3 situated at South Tukoganj, Street No. 1, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 1-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Haji Gulam Nabi,
S/o Abdul Gafar Bakshi.
2. Mohammad Yusuf
S/o Gulam Bakshi.
3. Gulam Hasan
S/o Gulam Nabi Bakshi.
4. Abdul Qayam
S/o Gulam Nabi Bakshi.
5. Nazir Ahmed
S/o Gulam Nabi Bakshi.
6. Mohammad Shafir
S/o Gulam Nabi Bakshi.
R/o Sonwar, Srinagar.

(Transferor)

- (2) Khandelwal Chambers through Co-owner-Tulsiram Bhagwandas Khandelwal, 415 Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 22/3, South Kukoganj, Street No. 1, Indore.
Plot area 4015.14 Sq. mts.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 23-7-1981
Seal :

FORM. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, Sheet No. 10 situated at
Pandari Tari, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 18-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hanumandas S/o Shri Rikhabdas Vyas,
Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Sureshchand S/o Motilal Dhaniwal.
2. Mahandrakumar S/o Motilal Dhaniwal.
3. Vijay Kumar S/o Motilal Dhaniwal.
4. Pramod Kumar S/o Motilal Dhaniwal.
All R/o Halwai Lane, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sheet No. 10 measuring 7750, Sq. ft. situated at Pandari Tharai Raipur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

Date : 23-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Double storied house situated at

Ward No. 18, Raigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 5-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pradeepkumar Bhagwanji Chatwani
S/o Shri Bhagwanji Amarsi Chatwani,
R/o Ward No. 18, Raigarh, Tehsil, Raigarh.
(Transferor)
- (2) Bhagwanji Amarsi
S/o Late Shri Amarsi Tulsidas Chatwani,
R/o Ward No. 18, Raigarh, Teh. Raigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied house on Nazul Plot No. 9 and 8/1 on an area 4000 Sq. ft. sheet No. 44, in Ward No. 18, Tahsil and District Raigarh.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 24-7-81
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 905 and 905/3 situated at

Jawahar Ganj Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaimangal Ojha, Advocate
S/o Late Shri Bansilal Ojha,
88, Narwati Bunglow, Gandhigaon,
Zoonagarh, Gujarat, Now at Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Digamber Kumar
S/o Shri Harishchand Jain.
Sarafa Ward, Jabalpur. (Transferee)
- (3) Bank of Baroda,
Jawahar Ganj, Jabalpur.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 905 and 906/3, Block No. 77, Plot No. 18, Block No. 50, Plot No. 172/2, situated at Jawahar Ganj Ward, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 24-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot No. 657 situated at at Jabalpur on 6-11-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jabalpur on 6-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandkumar S/o Shyam Sundar Agrawal,
1175, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Brijmohan Tara S/o Ramchandra Tara,
R/o 160/3, Vidhya Nagar,
Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 657, Corporation Plot No. 180 and 180-A, situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 23-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
'BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 657, situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nandkumar S/o Shayam Sunder Agarwal,
1175, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) 1. R. R. Ahuja W/o Shri R. R. Ahuja,
R/o 901, Bai-Ka-Bagicha, Jabalpur.
2. Rameshkumar Aneja,
R/o 880, Bai-Ka-Bagicha, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 657, Corporation Plot No. 180, and 180-A situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 23-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 657 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandkumar S/o Shayam Sunder Agarwal, 1175, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) mt. R. B. Ahuja W/o R. R. Ahuja, R/o 901, Bai-ka-Bagicha, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 657, Corporation Plot No. 185, 180-A, situated in Wright Town, Jabalpur. (Area—2400 Sq. ft.)

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 24-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Double Storied H. No. 15/533 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
19—206GI/81

- (1) Smt. Pramila Gohil W/o Khushal Singh
Through Shri Kesharji S/o Jai Ram Rathore,
R/o Phaphadih, Raipur.
(Transferor)
- (2) M/s. Agarwal Gudakhs Factory, Khareriya,
Through Partner—Shri Gajananad
S/o Mansharam Agarwal,
R/o Kharsiya.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Double Storeyed House No. 15/533, situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 24-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Double Storied H. No. 15/533 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pramila Gohil W/o Khushal Singh
Through Shri Kesharji S/o Jairam Rathore,
R/o Phaphadih, Raipur.

(Transferor)

(2) M/s. Agarwal Gudakher Factory, Bilaspur,
Through—Shri Ram Chand
S/o Mansharam Agarwal,
Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Double Storeyed House No. 15/533, situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 24-7-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Balwant Kaur W/o Sardar Singh Bens,
R/o 9, Rishikunj, Gorakhpur, Jabalpur.
- (2) Smt. Rama Sachdeva W/o Shri Yograj Sachdeva,
R/o 15/2, South Tukoganj, Indore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 33, situated at Tirupati Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33, situated at Tirupati Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 24-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 18/2 situated at Siyaganj, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-11-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Kanubhai S/o Shri Dhoribhai Patel,
- (2) Shri Ramanbhai S/o Shri Dhoribhai Patel,
- (3) Shri Rameshbhai S/o Shri Dhoribhai Patel,
- (4) Shri Rajendrabhai S/o Shri Magan Bhai,
All R/o 25, Jawahar Marg, Indore.
(Transferor)
- (2) Smt. Munira W/o Shri Mustafa Bohra,
Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18/2. situated at Siyaganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 24-7-1981
Seal :

FORM IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 206, situated at Jawahar Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Fagirchand & Co.
M. T. Cloth Market, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Tanscem W/o Gulam Abbas,
Chandni Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 206, situated at Jawahar Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 24-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh,
Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ramnarayanji S/o Shri Modilal Agarwal,
4/2, Shradhanand Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradiya Road, Indore, 15,120 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh,
Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Rameshchandra S/o Shri Ghashyamdasji,
38, Katju Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. JAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40, situated at Udyog Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, Udyog Nagar, Musakhedi, Devgurdaiya Road, Indore, 15,000 sq. ft.

VIJAY MATHUR

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 23-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh,
Village, Kanadia, Teh. Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Adeshwar Jain S/o Shri Chhabilalji Jain,
(2) Smt. Vinod Jain W/o Shri S. P. Jain,
(3) Shri Rajendra Kumar Agarwal S/o Tikani-
Chandji Agarwal,
R/o Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52-F situated at Udyog Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 52-F, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 27,500 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 23-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52-E, situated at Udyog Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—206GI/81

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh,
Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Gyanchand S/o Shri Ratanchand,
(2) Shri Ratanchand S/o Shri Dasumal,
R/o 12, Godha Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52-E, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 23,500 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. 52D,

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair at Indore on 3-11-1980, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh,
Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Suresh Kumar S/o Shri Ratan Chand,
(2) Smt. Nirmalabai W/o Shri Bishandas,
R/o 12, Godha Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52D, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 23,500 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 29, 52F, 52E, 52D, 40 & 5, situated at Udyog Nagar, Musakhedi, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

- (1) (1) Shri Lila Shankar S/o Shri Lalji Trivedi, R/o Choti Gwal Toli, Indore.
(2) Shri Om Prakash S/o Shri Poddarmal Jain, 5/8, Road No. 1, Pardeshipura, Indore.
(3) Shri Suraj Prasad S/o Shri Motilal Jain, 3/3, North Raj Mohallam, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 29, 52F, 52E, 52D, 40 & 5, situated at Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradiya Road, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of H. No. 1/110 & 1/111, situated at Dudh Halai, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-11-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Laxmi Bai W/o Shri Shankerlal,
R/o Nazar Ali Marg, Ujjain.
(Transferor)
- (2) Shri Triloknath S/o Shri Teerathji Narang,
Dashera Maidan, Ujjain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 1/110 & 1/111 situated at Dudh Talai, Ujjain.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BP. —Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. TS-I situated at Indore, (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Shri Badal Chand Mehtu, R/o 199, Chitawad Bombay-Agra Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar,
(2) Shri Hemant Kumar,
(3) Shri Manish Kumar,
(4) Shri Bhavesh Kumar, Through Shri Kantilal Shah, Guardian of the Manish Trust, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. TS-1, Traffic root No. 6-7 on Scheme No. 31 of Development Authority, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 23-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Goharganj on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Nawab Mansur Ali Pataudi S/o Shri Iftikhar Ali Khan, 8-B, Rashmi, Garmichael Road, Bombay-400026.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 21, 24, 70, & 71, (95.63 Acres).

VIJAY MATHUR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

4th Floor, Gangotri Building

T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 24-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (1) Shri Suverna Shamsheer Jung Bahadur Rana,
S/o Ekraj Jung Bahadur,
R/o Salena Kothi, Tukoganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh.
No. 34, 35 & 50. (94.85 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Mrs. Jethalal Modi S/o Shri Vithaldas,
Modi Kunj, Matunga, Telang Road, Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 33, 43, 64, 65 & 76. (94. Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—206GI/81

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan.
(Transferor)
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
- (2) Shri Yusuf Ali S/o Shri Kamruddin,
398/400, Narsi Natha St. Katha Bazar, Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh.
No. 25, 27, 61, 75 & 79. (95.34 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Mr. Narendra Kumar Singh S/o Shri Hiralal,
R/o Kalyan Bhavan, Tukoganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh.
No. 32, 41, 45 & 58. (95.98 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd, Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Smt. Panna Pallan W/o Devendar,
R/o 8, Shree Nektan, 14, Queen's Road, Bombay-400 020.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 15, 17, 19 & 22. (95.99 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Forest Land situated at Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Madanlal Malviya S/o Shri Roopram,
R/o 14, Nawalkha Main Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village : Chiklod Kalan, New Kh.
No. 36, 37 & 68. (94.11 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Goharganj on 28-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Mrs. Geeta Shahriarian W/o Shri Jahangir,
R/o 8, Shriniketan, 14, Queens Road, Bombay-400 020.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 10, 16, 18 & 11. (95.38 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quaiser-e-Sultani, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Mrs. Nanhi Wallia W/o Shri Jasjeet Singh,
R/o 2, Idgah Hills, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village : Chiklod Kalan, New Kh.
No. 7, 8 & measurement 95.07 acres.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quaiser-e-Sultani, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)

(2) Captain Nagin Shah S/o Shri Shantibhai Harjivan Mehta,
R/o 8, Shriniketan, 14, Queens Road, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 1 to 6, 13 & 63. (98.57 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultān, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri Ratan Singh S/o Shri Prithvi Singh,
R/o Bidval, Dhar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 20, 57 & 59. (95.01 acre).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Forest Land situated at Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—206GI/81

- (1) H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Sumermal Jain S/o Shri Gambhirmal,
C/o Rosc Carpets, Jeewani Mandi, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chicklod Kalan, New Kh. No. 34, 55 & 59. (94.96 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Mr. Amir Uddin S/o Shri Kamruddin,
C/o Amir Brothers, Maharani Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 39, 48, 66 & 72. (95.32 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 29-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri H. H. Digvijay Singh S/o Shri Dilip Singh,
Jaswant Palace, Selana, Ratlam.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 31, 44, 52, 56 & 74. (96.57 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 28-11-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Lallo Bhai Patel S/o Ichu Bhai,
C/o Usha Stores, Haripura, Main Road, Surat
(Gujarat).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 28, 30, 51 & 80. (95.36 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
R/o Quaiser-e-Sultain, Ahmedabad Palace, Bhopal.
(Transferor)

(2) Mrs. Rati Barsiwala W/o Shri Jamshed,
670, Jawar Banu Terrase, Road No. 13, Parsi Colony,
Dadar, Bombay-400 014.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh.
No. 23, 26 & 29 (95.71 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Dr. Khushal Chand Malaiya,
D.S.E. Durg.
- (2) Smt. Suman Jain W/o Shri Jinendra Kumar Jain,
P.O. Gaur Shamer, Sagar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House, situated at E-4/134, Arera Colony, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House situated at E-4/134, Arera Colony, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 25-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 26th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land out of Kh. No. 1 situated at Mandi deep, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj, on 8-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhote Khan & Iqbal Khan,
Both S/o Shri Mohammed Khan,
R/o Nayapura Mewati, Teh. Goharganj, Raisen.
(Transferor)
- (2) Saptrishi Dairy & Farm,
Mandi deep, Teh. Goharganj, Raisen.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land out of Kh. No. 1, admeasuring 10.17 acres situated at Mandi deep.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 26-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land Kh. No. 1 situated at Mandi deep, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj, on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chhote Khan, Iqbal Khan, Both S/o Shri Mohammed Khan, R/o Nayapura Mewati, Teh : Goharganj, Distt. Raisen.

(Transferor)

(2) Saptrishi Dairy & Farm, Mandi deep, Teh : Goharganj, Raisen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land out of Kh. No. 1 admeasuring 10.17 Acres, situated at Mandi deep.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-7-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 15-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—206G1/81

(1) M/s. Narendra Singh Vikram Singh Choudhary & Sons, 93, Shalni Road, Dewas.

(Transferor)

(2) (1) Khanchand S/o Virumal, (2) Sewak S/o. Khanchand, (3) Jaiwanti D/o. Khanchand, 29, Gopal Bag Colony; Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, 11250 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 21-7-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 26-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Narendra Singh, Vikram Singh Choudhary & Sons., 93, Shalini Road, Dewas. (Transferor)
(2) (1) Gordhanlal Shankerlal Rai, (2) Bhagwandas Gordhanlal Rai, 37, Lodhi Mohalla, Indore. (3) Smt. Mewa Bai W/o Chhatulal Rai, 36, Lodhi Mahalla, Indore. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas—11250 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 21-7-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 50, situated at Kailash Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 28-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parasram Jethanand, R/o Sizpur, Indore.
(Transferor)
(2) Shri Harikishan S/o Jagannath Agarwal R/o 56, Kailash Marg, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 50 situated at Kailash Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal,

Date : 21-7-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 50, situated at Kailash Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-12-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parsram Jethanand, R/o 64, Sirpur, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Harikishan S/o Jagannath Agarwal, R/o 56, Kailash Marg, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50 (South Portion) situated at Kailash Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-7-81.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Dhulji S/o Ghisa Ji Rajput, R/o Lasudiya Mori, Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Jamitsingh, S/o Trilok Singh, R/o H. No. 62, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 102/1, situated at Lasudiya Mori, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Lasudiya Mori of Indore Kh. No. 102/1, 1-Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 21-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double Storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 24-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Motilal Ojha S/o Shri Jagram Ojha, R/o Mahal Colony, Shivpuri. (Transferor)
- (2) Shri Halkeram S/o Ramcharan Nagaria R/o. Vill. Vira, Par : Pichore, Dist : Shivpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri.

VIJAY MATHUR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-7-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storied house situated at Mahal Colony Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 24-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Motilal Ojha S/o Shri Jagram Ojha, R/o Mahal Colony, Shivpuri.
(Transferor)
- (2) Smt. Vidya Devi R/o Balkrishna Gupta, Caste—Vaishya—R/o Vill : Vira, Par : Tichore, Dist : Shivpuri.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 29, situated at Siddheshwari Road, Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 5-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kaushalya Devi W/o. Mahendra Pratap Arora & Smt. Sandhya Devi, W/o Rajendra Pal Arora, R/o Shivpuri.

(Transferor)

(2) Smt. Ramjoo Raja W/o Shri Prabipal Singh R/o Siddheshwar Road, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29, situated at Siddheshwari Road, Shivpuri.

VIJAY MATHUR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

ANJIPARAMBIL BLDGS.,

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th July 1981

Ref. L.C. 523/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sl. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 13-11-80 and 29-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. G. Radhakrishnan,
Krishna Nivas,
Panniankara, Calicut-673003.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. P. T. Saidalavi
2. P. T. Kunhamutty
3. P. T. Abdurahiman
4. P. T. Abdul Masser,
Sons of Pallippattu Tumban Rayu Haji,
Thalakkadathur, Tirur
5. V. P. Mafeesa
D/o Vaniam Peediakakkal Bawa,
Thalakkadathur, Tirur
6. Ayishabi S/o
Mukriyakathu Ahmed Haji
Thalakkadathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6½ cents of land with a 5 storeyed building in Calicut.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
24--206GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016
Cochin-682016, the 17th July 1981

Ref. L.C. 526/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Sl. No. as per schedule situated at Alleppey
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Alleppey on 18-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. Abdul Rahiman Sait
S/o A. R. Sulaiman Sait,
Salim Manzil, (Seal-side Hotel), Alleppey Muri,
Alleppey village.
2. S. Khalid Sait
3. S. Muhamed Ali Sait
4. S. Najuma Bai
5. S. Saiboonisa Bai
6. S. Salim Sait
7. Halima Bai
8. S. Kulsam Bai
9. S. Mimeena Bai
10. Shahinda
11. Shahman
12. Shabir
13. Shakheel (Minors)
(Represented by Halima Bai).

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. V. E. Thomas S/o Elias,
Habeb Manzil, Zachariah Bazar Ward,
Alleppey.
2. Dr. Lilly Thomas,
Civil Surgeon,
W. & C. Hospital, Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.984 cents of land with a building in Alleppey village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 17-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016
Cochin-682016, the 20th July 1981

Ref. L.C. 527/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sl. No. as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Quilon on 2-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sunny,
S/o Augustine, Sansibasil,
Kannimelcheri, Kilikolloor, Quilon. (Transferor)
- (2) M/s. Chaitanya Corporation,
Kochupilammoodu, Quilon,
Rep. by Managing Partner, R. Pratap,
S/o K. Ravindranathan Nair,
Nani Nivas, Kochupilammoodu, Quilon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

46 cents of land in Sy. No. 8477/C.1.4 of Quilon Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 20-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna, the 3rd July 1981

Ref. No. III-497/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5225/14850 Ward No. 33, Circle No. 245, Khata No. 62 situated at Dujra (Boring Road) Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Raj Kumari Singh W/o Shri Kumar Ganpati Prasad Singh on behalf of self and minor sons Shri Kumar Amit Singh and Shri Kumar Ashwin Singh sons of Shri Kumar Ganpati Pd. Singh of Mouza Ranka Raj, P.O. Ranka Raj District Palamu. (Transferor)

- (2) 1. Shri Krishna Nandan Varshney
S/o Shri Deoki Nandan Varshney.
2. Smt. Jyotsana W/o
Shri Krishna Nandan Varshney
R/o Mohalla Kadam Kuan, P.S. Kadam Kuan, Patna. (Transferee)

- (3) Shri (i) Shri Krishna Nandan Varshney,
(ii) Smt. Jyotsana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kathas 5 dhurs with single storied pucca house situated at Mohalla Dujra, Patna morefully described in deed No. 7896 dated 17-1-80 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated : 3-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA-800001

Patna, the 3rd July 1981

Ref. No. III-499/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

portions of Plot No. 520, 523, 524 sheet No. 23, being part of Holding No. 84, Ward No. 1, Circle No. 3 situated at Bankipur Lodipur now known as Chhajjubagh on Dr. T. N. Banerjee Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 1-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Achalendra Nath Mukharji, Retd. Judge, Patna High Court S/o Late Rai Bahadur Surendra Nath Mukharji for self and as attorney of his son Dr. Anjan Mukharji, Residing at Bank Road, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

- (2) Mr. Anup Mukerji, I.A.S.
S/o Mr. Prabhudatta Mukherji,
Residing at 'Ashirbad' S.P. Verma Road, Patna,
At present District Magistrate, Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 479.93 sq meter situated at mouza Chhajjubagh on Dr. T. N. Banerjee Road Patna, more fully described in deed No. 7660 dated 1-11-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-7-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1.Sm. Labanya Prova Mitter
2. Sri Susanta Kumar Mitter
3. Sri Pinaki Mitter
4. Sm. Pratima Dutta
5. Sm. Purnima Dutta

(Transferor)

- (2) Shri Janmajoy Das Bairagi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1981

Ref. No. 930/Acqn. R-III/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65A and 65B and 2/1A situated at Padmapukur Road and Jogesh Mitra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 20-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one storeyed and partly two storeyed building and structure together with land containing an area of 7 cottahs 3 ch. 8 sft. being premises No. 65A and 65B, Padmapukur Road and 2/1/A Jogesh Mitra Road, Calcutta, registered by the Registrar of Assurances, Calcutta on 20-11-80.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date : 18-6-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Hiran Bala Saha & Ors.

(Transferor)

(2) Harilal Saha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st July 1981

Ref. No. 928/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4/73 situated at Chanditola Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 28-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the house property being premises at 4/73, Chanditola Lane, Calcutta-40 containing an area of land 3K 1Ch 18 Sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 1-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sudhindra Kr. Das.

(Transferor)

(2) Amber Properties Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st July 1981

Ref. No. 927/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25 situated at Waterloo Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the house property being premises at 25, Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 6251 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date : 1-7-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Monisha Sen & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ram Kishore Choudhuty & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th July 1981

Ref. No. 929/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 159/1A and 159/1B situated at Rash Behari Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—206GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1B—5K 13Ch. more or less together with building and structure standing thereon situated lying at and being premises No. 159/1A and 159/1B, Rash Behari Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date : 6-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Suraj Bai
of 3 Jogendra Kanraj Road,
Calcutta-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rabin Dey,
53-Atul Krishna Banerjee Lane,
Calcutta-36.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 20th July 1981

Ref. No. AC-39/Acq.R-IV/61/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 66 situated at Amritlal Daw Road, Baranagar, 24- Pargs. Cossipore on 18-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8K. 9 Ch. 35ft. with building situated at 66 Amritlal Daw Road, Baranagar, 24-Pargs. More particularly described as per Deed No. 8435 of 1980.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor),
Calcutta-7000016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd April 1981

No. 325/81-82. Whereas, I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 213/2 and 205 situated at M.G. Market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 1889 on 26-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Veerappa Gurusiddappa Bhusanoor.
 2. Shri Sudhir Veerappa Bhusanoor.
 3. Shri Sunil Veerappa Bhusanoor.
- Sl. No. 2 and 3 by their minor-guardian Shri V. G. Bhusanoor, (Sl. No. 1)
Javalisal, Hubli.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pukaraj A. Bhurat.
 2. Shri Javerilal P. Bhurat,
- Javalisal, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1889 Dated 26-11-1980]
Land and building bearing OTS No. 213/2 and 205 situated at Ward No. II, M.G. Market, Hubli.

R. THATHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Subramanyam
S/o K. Muruges Mudaliar,
Patel Nagar, Hospet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. G. Ranganagouda
S/o H. R. Gaviappa,
Nehru Co-op. Building Colony,
Hospet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd April 1981

No. 331/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 15/142 situated at Ward XV,

Nehru Co-op. Colony, Hospet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hospet under document number 1282 on 27-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1282 Dated 27-11-1980]
Land and building bearing Door No. 15/142 situated at
Ward No. XV, Nehru Co-op. Colony, Hospet.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd April 1981

Notice No. 333/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS. No. 2860 situated at Khade Bazar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Belgaum under document number 2806 on 25-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narayan Ganesh Javai,
R/o Khade Bazar, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sanghavi Vasumatiben Sevantilal.
2. Smt. Doshi Prabhaben Nanalal.
3. Smt. Sharmilaben W/o Jayantilal.
R/o No. 1507, Deshpandegalli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2806 Dated 25-11-1980]
Land and building bearing CTS No. 2860 situated at
Khade Bazar, Belgaum.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Mehdi Ali S/o Tote Abdul Rub,
No. 16-7-302, Azampura,
Hyderabad-500024 (A.P.).

(Transferor)

(2) Dr. S. N. Mahmood,
No. 6-3-246/1,
Banjara Hill Road,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 25th April 1981

C.R. No. 62/28898/70-71/ACQ/B.—Whereas, I. R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Old No. 36, and New No. 59, (II Floor)

and bearing No. situated at Millers Road, Benson Town, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore and Document No. 3072/80-81 on 4-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tax of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3072/80-81 Dated 4-11-80]
All that property bearing old No. 36, and New No. 59, (II Floor) Millers Road, Benson Town, Bangalore.

Bounded by :—

On North—By Millers Road.
On South—By property belonging to Southern railway.
On East—By Cottage belonging to the Transferor.
On West—By Private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 25th April 1981

C.R. No. 62/28897/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing Old No. 36, New No. 59 (I Floor) situated at Millers Road, Benson Town, Bangalore (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 3061/80-81 on 10-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehdi Ali S/o Late Abdul Rub,
No. 16-7-302, Azampura,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Mahpara W/o Rashid Quiyum,
Saidabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3061/80-81 Dated 10-11-80)
All that property bearing old No. 36 New No. 59 (1st Floor) Miller's Road Benson Town, Bangalore.
Bounded by :
On North : By Millers Road
On South : Property belonging to Southern Railway.
On East : By Cottage belonging to the transferor.
On West : By private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1981

Notice No. 337/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 814 situated at Chinchinim village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document number 106/751 on 1-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Claudino Benedicto Fernandes.
2. Flora Patrocinia alias Flora Patrocinia Pereira Fernandes also known as Flora Fernandes.
R/o Assolna, Goa.
(Transferor)
- (2) 1. Francisco Xavier Alexandrino de sousa.
2. Epifanio Joao Luciano de sousa
House No. 22 (old), 43 (new).
Durga of Chinchinim, Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 106/751 Dated 1-11-1980]
Plot measuring 994 sq. metres and building thereon bearing number 814 situated at Chinchinim village, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th June 1981

Notice No. 339/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Matriz No. 280 Land Regn No. 1958 situated at Panaji-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ilhas under Document No. 451/80 on 13-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—206GI/81

- (1) 1. Solano Baron Carlyn Palha
2. Ramon C. Palha.
3. Casme Palha.
4. Dr. Solon Belodia Palha
R/o Solramul Court,
Gomes Pereira Road,
Panaji-Goa.

(Transferor)

- (2) (1. Mr. Fortunato Isidoro Luis de Cunha.
2. Mrs. Maria Aurilia Meneses Cunha
R/o Solramul Court,
Gomes Pereira Road,
Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 451/80 Dated 13-11-1980]

Flat No. 3 of the building called "Solromul Court" bearing land Regn. No. 1958 and Matriz No. 280 situated at Panaji, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 8-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

C.R. No. 62/28854/80-81/Acq/B.—Whereas, I,

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Old No. 429/1 and New No. 152 situated at 8th Main Road Malleswaram, Bangalore-3

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 4224/80-81 on 24-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Balasubramanian,
No. 67, Dr. Radhakrishnan Road,
Mylopore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri D. Srinivasan and 99 others,
All represented by Sri D. Srinivasan,
No. 4, 12th Cross, 8th Main Road,
Malleswaram Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4224/80-81 Dated 24-11-80]

All that property bearing Old No. 429/1, New No. 152, 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

Area—3996 sq. mts. which includes buildings also.

Bounded by :

On North : by site No. 429/W.

On South : by property of Mrs. Dass.

On East : by 7th Main Road.

On West : by 8th Main Road.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, the 25th June 1981

Ref. No. 15912.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 181, Luz Church Road and situated at 144, Royapettah High Road, Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (DOC. 52/81) on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Raja D. V. Appa Rao Bahadur Waru
145, Royapettah High Road,
MADRAS-600 004.

(Transferor)

(2) Smt. B. K. Nalinijayanthi
41, 1st Main Road, CIT Colony
MADRAS. 600 004.

(Transferee)

(3) Luz Stall Holders Association and other tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 181, Luz Church Road, and 144, Royapettah High Road, Mylapore, MADRAS-4.

(Doc. 52/81)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, MADRAS-600 006.

Date : 25-6-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th July 1981

Ref. No. : 7/Nov./80.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 (Old No. 11), Balfour Road, situated at Kilpauk, MADRAS (R.S. No. 3138/5) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras on 30-10-1980 (Document No. 4785/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sridevi Padmakumar,
W/o Mr. B. K. Padmakumar,
'Srinilayam' Durbar Hall Road,
COCHIN-16.
(2) Mr. M. Gopinath Nair,
S/o Mrs. Bhagireethi Amma,
'Felicite' Near Pipe Mood,
Sasthamangalam (P.O.),
TRIVANDRUM-10.

(Transferor)

- (1) Shri Udho Shahain Hotchand,
S/o Hotchand,
No. 43, Sembudoss Street,
MADRAS-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 9 (Old No. 11) Balfour Road, Madras-10 (R.S. No. 3138/5). (Document No. 4785/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 4-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 59/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, Kilankadu, situated at Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Tenkasi on 30-11-1980 (Document No. 1022/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri A. Krishnama Raja,
Father and Guardian of Minor Muthuramakrishna Raja, NAYINAKARAM,
Tenkasi Taluk (Tirunelveli Dt.)

(Transferor)

(2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad and
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahmad
S/o Haji Syed Mohammad,
'Halima Nivas', M.S.P. Nagar,
TRIVANDRUM.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Tk. Tirunelveli District, measuring 16 acres and 80 cents—Document No. 1022/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 58/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80, (Document No. 1015/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri A. A. KKrishnamaraja, Father and Guardian of Minor A.C. Sivaramakrishna Raja, Nayinakaram Village, Tenkasi Taluk (Tirunelveli Dt.).
(Transferor)
- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad,
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad,
S/o Haji M.S. Syed Mohammad, 'Halima Nivas',
M.S.P. Nagar, Trivandrum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet lands at Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu), measuring 16.80 acres.—
Document No. 1015/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 14-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 57/November/80.—Whereas, I, RAVI-
CHANDRANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi
kasi Taluk, Tirunelveli District.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80.

(Document No. 1014/80)

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sri A. A. Krishnama Raja, S/o Fr Kondal Angaya
Raja, Nayinakaram village, Tenkasi Taluk.
(2) Sri Angaya Raja, S/o Sri A.A. Krishnama Raja,
Nayinakaram village, Tenkasi Taluk

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahmad, S/o S. M. Syed
Mohammad, 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar,
Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi
kasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu).
Document No. 1014/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 14-7-81

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 60/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District,

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80. (Document No. 1023/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. A. Krishnama Raja, Father & Guardian of Minor A. K. Ganesa Subbaram Raja Nayinkaram village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabcer Ahamad and
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahammad 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu). 16.80 acres—Document No. 1023/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 14-7-81
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 6/November/80—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli District.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.J., Tenkasi (Document No. 1024/80) on 31-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—206G1/81

- (1) Sri A. A. Krishnama Raja,
Father and Guardian of Minor A. K. Jayaram Raja,
Nayinakaram Village,
Tenkasi Taluk, (Tirunelveli Dt.).
- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad,
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad,
S/o Haji S. M. Syed Mohammad,
Himalaya Nivas', M.S.P. Nagar,
Trivandrum.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76 Kalankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District, measuring 16.80 acres—Document No. 1025/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 62/November/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.L. Tenkasi (Document No. 1025/80) on 30-11-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. A. Krishnama Raja,
Father and Guardian of Minor Thiruppathi Raja,
Nayinakaram Village,
Tenkasi Tk. (Tirunelveli Dt.).

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad and
(2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad,
S/o Syed Mohammad,
'Halima Nagar', M. S. P. Nagar,
Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76 Kilankadu Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (Tamil Nadu), measuring 16.80 acres—document No. 1025/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 64/November/80—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tenkasi (Document No. 1026/80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri A. A. Krishnama Raja,
S/o Sr. Kondal Angaya Raja,
- (2) Sri K. Subramania Raja,
S/o Sri A. A. Krishnama Raja,
Nayinakaram Village,
Tenkasi Tk. (Tirunelveli Dt.).

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad and
- (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad,
'Halima Nivas', M.S.P. Nagar,
Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt. measuring 16.80 acres—document No. 1026/80).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 64/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tenkasi on 30-11-1980

(Document No. 1027/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri A. A. Krishnama Raja,
Father and Guardian of Minor Muthuramakrishna Raja,
Nayinakaram
Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(Transferor)

Mr. M. S. Kaleel Ahamad and Mr. M. S. Kaleel Ahamad.

'Halima Nivas',

M.S.P. Nagar,

Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt. measuring 16.80 acres—Document No. 1027/80.)

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 10/November/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North, Madras on 30-11-1980 (Document No. 4822/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishnavani Ammal,
W/o Sri Raju Naidu,
No. 51, Vellalar Street,
Madras-29.

(Transferor)

- (2) Sri K. P. Ramaswamy,
S/o Sri Perumal,
No. 62, Nannayya Maistry Street,
Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Street, Chetput, Madras, measuring 4 grounds and 400 sq. ft.—document No. 4822/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 14-7-1981
Seal :

FORM INS—

(1) Smt. Devagi Ammal,
W/o Sri Ramaswamy,
No. 24, Chellammal Street,
Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Ramaswamy,
S/o Sri Perumal,
No. 62, Nannayya Maistry Street,
Madras-81.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 11/November/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North, Madras on 30-11-1980 (Document No. 4823/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Street, Chetput, Madras, measuring 4 ground and 400 Sq.— document No. 4823/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 14-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 12/November/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North, Madras on 15-11-1980 (Document No. 4824/80),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Venkatakrishnan,
S/o Sri Kuppuswamy Naidu,
No. 46, Nowroji Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

- (2) Sri K. P. Ramaswamy,
S/o Sri Perumal,
No. 62, Nannayya Maistry Street,
Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at measuring 4 ground and 400 sq. ft. R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Road Chetput, Madras-31—Document No. 4824/80).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 16/November/80—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 99 (Old No. 59), situated at Harrington Road, Chetpet, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1392/80) on 30-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) B. Purushothama Reddy
(2) P. Prakasam
(3) P. Gnanaprakasam
(4) M. Alamelu Ammal
(5) M. Ramaswamy
(6) M. Bakthavatsalam
(7) M. Jayakumar
(8) M. K. Saikumari
(9) M. Lakshmi Narasimhan
(10) Dr. Mahendran
(11) M. Kalyani
(12) M. Vishwapriya
All residing at No. 48, Acrot Road, Saligramam, Madras-96.

(Transferor)

2. (1) Jugal Kishore Jalan,
25, Taylor's Road, Madras-10.
(2) Rajendrakumar Jalan,
No. 14, Lakshmi Street, Madras-10.
(3) Birendrakumar Jalan,
No. 25, Taylor's Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 99 (Old No. 59), Harrington Road, Chetpet, Madras-31—Document No. 1392/80).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, 14th July 1981

Ref. No. 42/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 84 and 90/3, situated at Nadukombai Village, Namakkal Taluk, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sendamangalam (Document No. 1759/80) on 10-11-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (d) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—206GI/81

- (1) Sri Venkatakrishnan,
S/o Sri Venkatasubbaier,
Gandhipuram Extension,
Namakkal (Salem District).

(Transferor)

- (2) Smt. Sadhasivakarmalai Chellammal,
Nadukombai Village,
Namakkal Taluk, (Salem District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 84 and 90/3, Nadukombai Village, Namakkal Taluk (Salem District), measuring 3.50 acres—Document No. 1759/80).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS
Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 13/November/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 4658 & 4659 and, situated at Door No. 218, Linghi Chetty Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Document No. 4860/80) on 30-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) All India Trading Co.,
No. 183, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mulla Abdul Hussain Ranghibai Vagh Trust,
No. 218, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 218, Linghi Chetty Street, Madras-Document No. 4860/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

1. (1) Sri S. Nataraja Chettiar,
(2) Sri J. Rajeswari and
(3) Sri E. R. Moorthi,
No. 1, Vidyalaya Road,
Kumarasampatti,
Salem.

(Transferor)

2. (1) Sri S. Rajamannar,
(2) Sri S. Veerasamy,
(3) Sri S. Chandrasekaran and
(4) Minor S. Venkata Gupta,
(Guardian: S. Rajamannar),
No. 22, Arya Vaisya Street,
Sevvaipettai,
Salem.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 68/November/90—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 35, Sireni, Cuddalore, situated at Main Road, Ammapettai, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

J.S.R.L., Salem (Document No. 6540/80) on 30-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & building at Door No. 35, Sireni, Guddalore Main Road, Ammapettai, Salem Town, measuring 20453 sq. ft. with machinery—Document No. 6540/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 79/November/90—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 1092 and 1093, situated at Vadiveeswaram village, Kanyakumari District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagarcoil on 30-11-1980 (Document No. 4448/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Gopalan,
S/o Sri A. Saravana Panicker,
Samarasa Street, Kottar,
Nagercoil.
- (2) Shri E. S. Rajamani,
S/o Sri Shanmugham, (M/s. Sree Shanmugha
Pharmacy),
Irulappapuram,
Nagercoil.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 1092 and 1093, Vadiveeswaram Village, Kanyakumari District (Tamil Nadu), measuring 6.24 acres—Document No. 4448/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2671—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Nov., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Daljit Kaur W/o Zora Singh r/o V. Mansa Khurd, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.
(Transferee)
- (2) Shri Harcharan Singh, Gurtej Singh, So Sh. Dalip Singh, r/o Village Mansa Kalan Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.
(Transferor)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3791 of Nov., 80 of the Registration Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 30-6-91
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2672—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Nov., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Zora Singh S/o Sham Singh r/o Village Mansa Khurd, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harcharan Singh, Gurtej Singh, S/o Dalip Singh, R/o Village Mansa Kalan, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferee)

* (3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3826 of Nov., 80 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 30-6-91

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2673.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at New Vijay Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Puran Singh R/o Village Litran, Tehsil Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Meena Vijn Wife of Dr. Sushil Vijn R/o House No. E.B. 140, Kazi Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5005 of Nov. 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2674—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Defence Colony, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

(1) Shri Lachhman Dass S/o Sh. Gurdas Ram R/o Adampur Tehsil & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Chand Pal S/o Shri Inder Dass Pal r/o Village Baring Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5138 of Nov., 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2675—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—206GI/81

(1) Shri Charan Singh S/o Bara Singh, r/o Kartarpur Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mehanga Singh S/o Sh. Mohan Singh r/o Beas Pind, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 867 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2676.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh S/o Sh. Bura Singh R/o Kartarpur, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh, Parmjit Singh Ss/o Mehnga Singh R/o Pind Beas, Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 885 of Nov. 1980 of the Registering Authority, Kartarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2677—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Phoola Singh r/o Maur Mandi Khurd Distt. Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Prabha Singh & Baldev Singh Ss/o Biba Singh r/o Ward No. 8, Gidherbah Tehsil Muktsar Distt. Faridkot, and S/Sh. Resham Singh, Labh Singh Ss/o Gurdev Singh, r/o Ward No. 8, Gidherbah Tehsil Muktsar, Distt. Faridkot.
(Transferees)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1387 of January, 81 of the Registering Authority, Gidharbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 30-6-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2678.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sher Singh S/o Sh. Kishan Singh R/o Bus Stand, Mansa Distt. Bhatinda, and Sh. Gurnam Singh S/o Sh. Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Teh. Mansa Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Sher Singh S/o Sh. Nidhan Singh r/o V. Mansa Kalan, Teh. Mansa Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5128 of January, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2679.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mansa on Jan., 1980(1/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbachhan Singh, Balvinder Singh Ss/o Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shrimati Jaswant Kaur Wife of Sh. Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda.
(Transferees)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5129 of January, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2680.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balram Raj S/o Balwant Ram General Attorney 249-Adarsh Nagar, Jullundur of Sh. Prithvi Pal Singh S/o Sant Singh R/o V. Dhangala Teh. Dasuya.
(Transferor)
- (2) Shri Sarwan Singh Dogra S/o Hazara Singh r/o H. No. BH-128, Santokhpura, Jullundur and Sh. Chanan Singh Johal S/o Raj Mal r/o Jandiala through Sh. B.S. Jagota Managing Director Link Land & Finance Pvt., Jullundur.
(Transferees)
- (3) As S. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5049 of Nov., 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Chand Rani Wd/o Shri Ram Lal,
R/o H. No. W.A. 50, Guru Bazar,
Jullundur.

(Transferor)

(2) The Jullundur Shakti Co-operative House Building
Society Ltd., Jullundur through Sh. Sat Paul Bagga
R/o 66-A, Model House, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2681.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Basti Sheikh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4828 of November, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. 2682.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Master Mota Singh Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair value, I believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Charan Dass S/o Shri Mangat Ram
R/o V. Samrai, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh S/o Banta Singh and
Smt. Harbans Kaur W/o Shri Ajit Singh
R/o Vill. Pragpur P.O. Kukar Pind
Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5016 of November, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2683.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at
Banga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30-206GI/81

- (1) Shri Sant Singh S/o Thakor Ram Nath Singh Self and Mukhtiar-Ai-Am Lekh Singh, Rameshwar Singh and Ram Partap S/o Joti Singh
R/o Banga Teh. Nawanshehr,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Jito W/o Shri Dogar Ram,
Municipal Commissioner, Banga,
Teh. Nawanshehr.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1438 of November, 1980 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2684.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Singh S/o Thaker Ram Nath Singh self and Mukhtiar-Ai Am Lekh Singh, Rameshwar Singh and Ram Partap S/o Joti Singh, R/o Banga, Teh. Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferors)

- (2) Shri Dogar Ram S/o Shri Banta Ram, Municipal Commissioner, Banga, Teh. Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

Dr. Kapur Singh Nagra, Main Road, Banga.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1439 of November, 1980 of the registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2687.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason for believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurmukh Singh S/o Shri Nihal Singh
R/o Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Jaswinder Singh, Balwant Singh, Kalwant Singh
R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2238 of November, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2688.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dina Nath
R/o Mall Road, Ferozepur City. (Transferor)
- (2) Shri G. L. Panchhi, Advocate, &
Smt. Mohan Rani,
R/o Ferozepur City. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6116 of January, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A. P. No. 2685.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1908

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bakshish Singh S/o S. Banta Singh Self and G.A. of (1) Shri Tara Singh, Nirmal Singh S/o S. Banta Singh, Mohan Singh S/o Shri Bhagat Singh Selg & G. A. of (1) Mathura Singh (2) Sohan Singh (3) Joginder Singh (4) Resham Singh, Puran Singh and Puran Kaur, Manjit Singh, Jaswinder Singh, Smt. Nasib Kaur, Smt. Kartari, Surjit Singh Self & G.A. of (1) Gurmit Singh (2) Bahadur Singh, Bagha Singh Self and G.A. of Swaran Singh R/o Khanowal Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferors)

(2) Shri Surjan Singh, Charan Singh R/o Kanjli Teh. Kapurthala and Narinder Kumar, Joginder Kumar Ss/o Shri Rakha Ram R/o Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed, No. 2490 of November 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2686.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bakshish Singh S/o S. Banta Singh Self and G.A. of (1) Shri Tara Singh, Nirmal Singh S/o S. Banta Singh, Mohan Singh S/o Shri Bhagat Singh Self & G. A. of (1) Mathura Singh (2) Sohan Singh (3) Joginder Singh (4) Resham Singh, Puran Singh and Puran Kaur, Manjit Singh, Jaswinder Singh, Smt. Nasib Kaur, Smt. Kartari, Surjit Singh Self & G. A. of (1) S. Gurmit Singh (2) Bahadur Singh, Bagha Singh Self and G.A. of Swarn Singh R/o Khanowal Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferors)

- (2) Shri Mohinder Kumar S/o Parkash Chand, R/o Kapurthala and Sadhu Singh S/o Shri Atma Singh R/o Vidhi Pur Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferees)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2512 of December 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 27th May 1981

No. IAC. ACQ/176/81.—Whereas, I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vizirabad, Nanded (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nanded on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Bombay Dyeing & Manufacturing Co.,
Vavile House, Heredia Marg, Ballard Estate,
Bombay-38.

(Transferor)

- (2) M/s. Balaji Trading Co.,
Vazirabad, Nanded,
C/o Baheti & Co. Opp. Bank of Baroda,
Vazirabad, Nanded.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 54 (Part) and S. No. 71 (Part), Vizirabad, Nanded
S. No. 54 (Part) and S. No. 71 (Part), Vizirabad, Nanded, open land, 37 acres 38 gunthas bounded on North—by Mahavir Coop. Hg. Society. South—by S. No. 56, part, East—by S. No. 53, part West—by S. No. 70, part.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Nagpur.

Date : 27-5-81
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 22nd August, 1981

No. F. 11/3/81-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AJZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, SHILLONG, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 7th February, 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 22nd August, 1981.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para II).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below :

- | | |
|---|---|
| (i) Indian Foreign Service (B)—
(Grade II of the Stenographers
Sub-cadre) | 14 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Caste and 1 reserved for Scheduled Tribe candidates). |
| (ii) Railway Board Secretariat
Stenographers' Service—
Grade C (for inclusion in
the Select List of the Grade) | |
| (iii) Central Secretariat Steno-
graphers' Service—Grade C
(for inclusion in the Select
list of the Grade) | |
| (iv) Armed Forces Headquarter
Stenographers' Service—
Grade C; | 8 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Caste and 3 reserved for Scheduled Tribe candidates). |
| (v) Posts of Stenographers in other
departments/organisations and
Attached Offices of the Govern-
ment of India not participating
in the I.F.S. (B)/Railway Board
Secretariat Stenographers'
Service/Central Secretariat
Stenographers' Service/Armed
Forces Headquarters Steno-
graphers' Service | |

*Vacancies not intimated by Government.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination, in the Employment News.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1982 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1982 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 19th October, 1981 (2nd November, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th October, 1981) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad

may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th October 1981.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indi-Ceylon Agreement of October 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 19th October, 1981, and

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 19th October, 1981, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

9. A refund of Rs. 3.00 (Rupee Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 Examination, his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 7th January, 1982.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA,
Joint Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 7th January, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries/answered should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS *VIDE* PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERNATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) **CROSSED** Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (*See* paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.

(v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (*See* para 4 below).

(vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable [*See* para 5(b) below].

(vii) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in).

(viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1982. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6 :

- (i) (a) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the Issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

- (b) **CROSSED** Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

NOTE—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates the name and address should be written by the candidates for the purpose.

(ii) *Certificate of Age—*

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO

AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 4—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate [cf. : Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that :—

(1) Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter of Shri _____ has passed _____ class of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is _____
This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her admission to the school*.

(Signature of Headmaster/Principal*) _____

(Name of the School) _____

Date _____

Place _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm.×7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4 A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicate below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____
son/daughter* of _____ of village/town* _____
in District/Division* _____ of the
State/Union Territory* _____ belong to the _____
Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Castes/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or*

his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*

.....ofDistrict/Division* of the

State/Union Territory* of

Signature _____

†Designation _____

(with seal of office)

State/Union Territory*

Place _____

Date _____

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/**Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

** (Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B)

should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form :—

(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari _____ is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of _____ which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of _____ and has rendered/would render not less than 3 year continuous Service as Stenographer/Clerk/Stenotypist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1982 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSS/RBSSS/IFSB Stenographers Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.*

(ii) Certified that Shri/Shrimati/Kumari _____ is a regularly appointed Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter* employed in the Office of _____ which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of _____ and has rendered/would render not less than 3 years continuous service as a Clerks/Steno-Typist/R.M.S. Sorter Stenographers* on 1st January 1982 and continues/would continue to be employed as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter*.

Place _____

Signature _____

Date _____

Designation _____

No. _____

Ministry/Office _____

Office Stamp _____

*Strike out whichever is not applicable.

(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is

to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania formerly Tanganyika and Zanzibar or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x) or 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Re-settlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Service, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c) (xii) or 6(c) (xiii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Directorate-General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c) (xiv) or Rule 6(c) (xv) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975. ~

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the

agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications regarding Application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. Nature of the Test

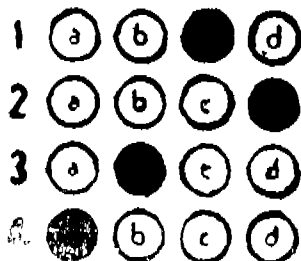
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate),

will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it *completely* and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil

sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*Denotes the correct/best answer—option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- * (b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- * (d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_3VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) $y = ae^x - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $4000^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism ?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following :

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaiśeṣikā, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mīmāṃsā, Cārvāka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group of a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.